



RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष : 15 | अंक:319 | पेज:12 | mahanagarmetro7@gmail.com

अहमदाबाद, 10 जुलाई 2026 (शुक्रवार)

सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

‘ग्रो मोर, अचीव मोर’ के मंत्र के साथ विकसित भारत की ओर बढ़ रहा देश : नरेंद्र मोदी

एजेंसी मेलबर्न। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि 21वीं सदी का भारत ग्रो मोर, अचीव मोर के मंत्र के साथ विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत अब चंद्रयान की सफलता तक सीमित नहीं है बल्कि गगनयान मिशन और अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने के लक्ष्य पर भी काम कर रहा है। मेलबर्न में आयोजित भव्य प्रवासी भारतीय समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और जल्द ही विश्व की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक सपना पूरा होने के बाद भारत नया



सपना देखने और उसे साकार करने की क्षमता रखता है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत

ऑस्ट्रेलिया की आदिवासी परंपरा के पारंपरिक संरक्षकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए की। उन्होंने कहा कि सिडनी के बाद इस बार मेलबर्न आकर भारतीय समुदाय से मिलना उनके लिए विशेष खुशी का अवसर है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की उपस्थिति के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहे हैं और इसमें भारतीय प्रवासी समुदाय की सबसे बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में जब वह पहली बार प्रधानमंत्री के रूप में ऑस्ट्रेलिया आए थे, तब 28 वर्षों बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यात्रा हुई थी। उन्होंने याद दिलाया कि तब उन्होंने

वादा किया था कि अगली यात्रा के लिए 28 वर्ष का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। पिछले 12 वर्षों में यह उनकी तीसरी ऑस्ट्रेलिया यात्रा है, जो दोनों देशों के मजबूत होते संबंधों का प्रमाण है। प्रधानमंत्री ने भारतीय समुदाय की सराहना करते हुए कहा कि वे ऑस्ट्रेलिया की प्रगति में योगदान दे रहे हैं लेकिन उनका मन और दिल भारत से हमेशा जुड़ा रहता है। उन्होंने कहा कि भारतीय जहां भी जाते हैं, वहां प्रेम, संस्कृति और अपने संस्कारों की खुशबू फैलाते हैं। उन्होंने कहा, आपके घरों में दूध ऑस्ट्रेलिया का हो सकता है लेकिन उससे बनने वाली चाय भारतीय होती है। भौगोलिकसंदर्भ

प्रधानमंत्री मोदी ने ऑस्ट्रेलिया की गवर्नर जनरल सैम मोस्टिन से मुलाकात की

मेलबर्न। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया की गवर्नर जनरल सैम मोस्टिन से मुलाकात कर भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी के विभिन्न आयामों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, शिक्षा, नवाचार और खेल सहयोग की ओर मजबूत बनाने पर सहमति व्यक्त की तथा कहा कि इन क्षेत्रों में बढ़ता सहयोग दोनों देशों के लोगों के लिए नए अवसर और ठोस लाभ लेकर आएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार मेलबर्न में हुई इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी की लगातार बढ़ती गहराई और विविधता पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने दोनों देशों के बीच तेजी से मजबूत हो रहे आर्थिक संबंधों का स्वागत करते हुए विश्वास जताया कि व्यापार और निवेश के साथ-साथ शिक्षा एवं नवाचार के क्षेत्र में सहयोग को और विस्तार मिलेगा।

शिवसेना-यूबीटी सांसद अरविंद सावंत और पूर्व सांसद सुभाषिनी अली का सीजेपी को समर्थन

एजेंसी नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद अरविंद सावंत और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की पूर्व सांसद सुभाषिनी अली ने गुरुवार को जंतर-मंतर पहुंच कर सोशल मीडिया अभियान कांक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) के पिछले 20 दिनों से जारी विरोध-प्रदर्शन के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। छुट्टियांव मौसमी आयोजन सीजेपी के प्रमुख अभिजीत दीपके ने एक्स पर लिखा, सांसद अरविंद सावंत और पूर्व सांसद सुभाषिनी अली का इस आंदोलन में शामिल होना छात्रों के संघर्ष को और मजबूती



देता है। छात्र समूह की तरफ से उन्हें धन्यवाद। उल्लेखनीय है कि देशभर के छात्र विभिन्न मुद्दों और प्रशासनिक विफलताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़े हुए हैं। विपक्ष के कई नेताओं का इस आंदोलन को समर्थन मिल रहा है। वहीं, पिछले 12 दिनों से अनशन पर बैठे पर्यावरणविद सोनम वांगचुक और यहां एकत्रित छात्र समूह का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं और जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग इस्तीफा नहीं देते, तब तक उनका यह शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

नगरपालिका भर्ती घोटाला

250 करोड़ के घोटाले में सुजीत बोस, बेटे समेत कई के खिलाफ चार्जशीट

एजेंसी कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री सुजीत बोस के खिलाफ नगरपालिका भर्ती घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विशेष अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है। एजेंसी ने आरोप लगाया है कि लगभग 250 करोड़ के कथित भर्ती घोटाले में सुजीत बोस ने अकेले 20 करोड़ रुपये का अवैध लाभ अर्जित किया। इस मामले में उनके बेटे समुद्र बोस, दो निजी कर्पणियों और तत्कालीन अधिकारी ज्योतिष्मान चट्टोपाध्याय को भी आरोपित बनाया गया है। ईडी के आरोपपत्र के अनुसार, सुजीत बोस ने धन के बदले 340 अभ्यर्थियों के नाम नियुक्ति के लिए अनुशंसित किए थे। इनमें से 284 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र मिला। जांच एजेंसी का दावा है कि प्रत्येक अभ्यर्थी से औसतन छह लाख

रुपये वसूले गए। ईडी का आरोप है कि उस समय नगर एवं शहरी विकास विभाग के डायरेक्टर ई ऑफ लोकल बॉडीज के निदेशक रहे ज्योतिष्मान चट्टोपाध्याय ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए



भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं को बढ़ावा दिया और उससे आर्थिक लाभ भी प्राप्त किया। जांच के अनुसार, यह मामला पहले शिक्षा भर्ती घोटाले की जांच के दौरान सामने आया। कारोबारी अयन शील के साल्टलेक और हुगली स्थित टिकानों पर छापेमारी में नगरपालिका भर्ती से जुड़े बड़ी मात्रा में दस्तावेज बरामद हुए।

डॉक्टरों एवं स्वास्थ्यकर्मों पर हुए हिंसक हमले की फेम्स ने की कड़ी निंदा

दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

एजेंसी नई दिल्ली। महाराष्ट्र के डॉंबिवली स्थित शास्त्रीनगर अस्पताल में डॉक्टरों एवं स्वास्थ्यकर्मों पर हुए हिंसक हमले की फैकल्टी एसोसिएशन ऑफ फेम्स (फेम्स) ने निंदा करते हुए शिवसेना के पाषंद और उनके समर्थकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में संगठन ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री को पत्र लिखकर स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय कानून बनाने की मांग की है। छुट्टियांव मौसमी आयोजन फेम्स के अध्यक्ष डॉ. अमरिंदर सिंह मल्होत्रे ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि किसी भी स्वास्थ्यकर्मों के खिलाफ होने वाली हिंसा केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं है बल्कि यह पूरे देश के स्वास्थ्यकर्मियों पर हमला है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 में विभिन्न चिकित्सा संगठनों ने स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ मिलकर सेंट्रल प्रोटेक्शन बिल का मसौदा तैयार किया था। इस प्रस्तावित कानून में स्वास्थ्यकर्मियों पर हिंसा से जुड़े मामलों को संजरेय और गैर-जमानती अपराध घोषित करने का प्रावधान शामिल है, ताकि ऐसे अपराधों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। उन्होंने उम्मीद जताई कि यदि आगामी संसद सत्र में इस विधेयक को पारित किया जाता है तो इससे स्वास्थ्यकर्मियों को सुरक्षा मिलेगी और पूरे समाज को भी इसका लाभ होगा।



काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में 18 अगस्त को होगा ‘रामायणी सम्मान’: डॉ. देवदत्त शर्मा

नोएडा। भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और रामायण परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से रामायण रिसर्च काउंसिल द्वारा ‘रामायणी सम्मान-2026’ का आयोजन आगामी 18 अगस्त को बनारस के काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में किया जाएगा। यह आयोजन गोस्वामी तुलसीदास की जयंती के पावन अवसर पर होगा। यह जानकारी काउंसिल के ट्रस्टी एवं सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी डॉ. देवदत्त शर्मा ने आज दी। डॉ. शर्मा ने बताया कि इस राष्ट्रीय आयोजन के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों तथा विदेशों में रामायण परंपरा के संरक्षण, संवर्धन, अनुसंधान, साहित्य सृजन, कथावाचन, संगीत, सांस्कृतिक जागरण और सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विद्वानों, शोधकर्ताओं, कथावाचकों, साहित्यकारों एवं अन्य विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा। वहीं काउंसिल के महासचिव कुमार सुशान्त ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य रामायण के व्यापक वाङ्मय और उसकी जीवंत परंपराओं को राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करना, भारतीय ज्ञान परंपरा का सम्मान करना तथा नई पीढ़ी को रामायण साहित्य, संस्कृति और जीवन मूल्यों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि रामायण केवल एक महाकाव्य नहीं बल्कि भारतीय सभ्यता की नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का आधार है।



गलवान के बाद मोदी सरकार ने चीन के प्रति नरम रुख अपनाया, देश की आर्थिक निर्भरता बढ़ी : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार पर चीन के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि गलवान संघर्ष के छह वर्ष बाद भी भारत की अर्थव्यवस्था के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में चीन पर निर्भरता लगातार बढ़ी है। इससे देश के राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचा है। समयऔर कैलेंडर मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि गलवान में 20 भारतीय सैनिकों के बलिदान के बाद प्रधानमंत्री ने चीन की ‘क्लीन चिट’ दे दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया लेकिन केंद्र सरकार ने भारत के हितों के सामने समर्पण कर दिया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि 2025-26 तक चीन से भारत का आयात गलवान के बाद 101.81 प्रतिशत बढ़ गया और व्यापार घाटा बढ़कर 112.1 अरब डॉलर तक पहुंच गया। उन्होंने दावा किया कि भारत के एंटीबायोटिक आयात का 86 प्रतिशत हिस्सा चीन से आता है, जबकि एपीआई, बल्क ड्रग और ड्रग इंटरमीडिएट आयात में भी चीन की हिस्सेदारी लगभग 74 प्रतिशत है खरगे ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में भारत के 66 प्रतिशत ईवी कंपोनेंट चीन से आते हैं। इसके अलावा भारतीय ईवी में इस्तेमाल होने वाली लगभग 75 प्रतिशत लिथियम-आयन बैटरियां आयातित हैं और उनका अधिकांश हिस्सा चीन से आता है।

‘राम मंदिर दान प्रकरण’ के बाद राम मंदिर ट्रस्ट ने कर्मचारी आउटसोर्स नहीं किए’

इन कर्मचारियों को मुख्य रूप से हाउसकीपिंग स्टाफ के रूप में नियुक्त किया गया था।

एजेंसी अयोध्या । राम मंदिर दान प्रकरण में आठ आरोपियों की गिरफ्तारी के विवाद के बाद मंदिर ट्रस्ट ने कोई नया आउटसोर्स कर्मचारी नियुक्त नहीं किया है। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के सूत्रों के अनुसार श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने पिछले वर्ष महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बाद एक आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से कर्मचारियों की भर्ती की थी। इन कर्मचारियों को मुख्य रूप से हाउसकीपिंग स्टाफ के रूप में नियुक्त किया गया था। राम मंदिर ट्रस्ट का प्राथमिक बैंक खाता एसबीआई शाखा में है, जहां जांचकर्ता मामले में बैंक अधिकारियों की संभावित भूमिका की जांच कर रहे हैं। पुलिस द्वारा शाखा प्रबंधक से

पूछताछ करने और जांच के तहत उनका बयान दर्ज करने की संभावना है। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि भर्ती के लिए किसी विशेष योग्यता



वाले कर्मियों की आवश्यकता नहीं थी क्योंकि आउटसोर्स कर्मचारियों को नकदी गिनने का काम नहीं सौंपा गया था। बैंक सूत्रों ने यह भी बताया कि आउटसोर्स किए गए कर्मचारी कथित तौर पर केवल मुड़े हुए नोटों को सीधा करने और उन्हें उचित

बंडलों में व्यवस्थित करने के लिए ही जिम्मेदार थे। नकदी की वास्तविक गिनती एसबीआई बैंक के कर्मचारियों द्वारा

ये मशीनों 500 रुपए, 200 रुपए और 100 रुपए जैसे मिश्रित मूल्यवर्ग के नोटों को स्वचालित रूप से अलग कर सकती थीं, साथ ही नकली नोटों का पता भी लगा सकती थीं। सूत्रों ने बताया कि गिनती प्रभावी सुभाष श्रीवास्तव दान पेटी गिनती प्रक्रिया से संबंधित रिकॉर्ड रखते थे और पूर्व न्यासी अनिल मिश्रा के साथ गिनतारी में हुई चूक के लिए जिम्मेदार ठहराए गए थे। वे भी एसबीआई कर्मचारी नहीं थे। इसके अलावा, सूत्रों ने बताया कि एसबीआई के एक पूर्व प्रबंधक अयोध्या पुलिस की गिनतारी में हैं। मंदिर के दान की गिनती में शामिल बैंक कर्मचारियों के साथ उनसे भी जल्द ही पूछताछ की जा सकती है। साथ ही, राम मंदिर के पूर्व न्यासी अनिल मिश्रा का बयान भी इस सप्ताह के अंत में दर्ज किया जा सकता है।

येयूर की पहाड़ियों में कानून का श्राद्ध और पाप का नंगा नाच

राजा ठाकुर की आपराधिक दबंगई के आगे ठाणे कमिश्नर मौन, पीआई माने की नाक के नीचे करोड़ों की काली कमाई का जलसा उत्सव

रसूखदार बंगले की आड़ में चल रहा अंतरराज्यीय सट्टेबाजी का करोड़ों का साम्राज्य, जुए के काले धन का आदिवासी इलाकों में अवैध गतिविधियों के लिए इस्तेमाल होने का ‘महानगर मेट्रो’ का महाविस्फोट

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

ठाणे। स्मार्ट सिटी और कानून के शासन की झूठी शेखी बघारने वाले ठाणे शहर में कानून, व्यवस्था और खाकी वर्दी की इज्जत के परखच्चे उड़ चुके हैं। एक तरफ महाराष्ट्र विधानसभा का बजट सत्र लाइव चल रहा है और नेता भ्रष्टाचार मुक्त शासन के खोखले दावे कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ सत्ता के केंद्र से महज कुछ ही किलोमीटर दूर वर्तक नगर पुलिस स्टेशन की हद में देश का सबसे बड़ा और खतरनाक अंतरराज्यीय जुआ सिंडिकेट बेखोफ फल-फूल रहा है। महानगर मेट्रो न्यूज को मिली अत्यंत सनसनीखेज और विस्फोटक जानकारी के मुताबिक, उपवन परिसर के ठीक पीछे और येयूर चेक पोस्ट की छाती पर स्थित एक आलीशान बंगला, जो एक बड़े नेता के वीआईपी नाम से जाना जाता है, उसे अंतरराज्यीय मिनी कैसीनो और पाप की भट्टी में तब्दील कर दिया गया है। रसूखदार नेताओं के नाम पर पूरा पुलिस तंत्र इस सट्टे के सामने नतमस्तक हो चुका है और किसी साहब में इतनी औकात नहीं बची कि वहां छापेमारी कर सके।

चार्टर्ड गाड़ियों में आने वाले सफेदपोश माफिया: अरबों रुपए का सट्टा

यह कोई गली-कूचे का साधारण अड्डा नहीं है, बल्कि कॉर्पोरेट स्टाइल में ऑपरेट होने वाला इंटर-स्टेट ब्लैक मनी सिंडिकेट है, जहां हर रात अरबों रुपयों की आहुति दी जाती है। महानगर

मेट्रो न्यूज के पास उपलब्ध पुख्ता सबूतों के मुताबिक, इस काले अड्डे पर दांव लगाने के लिए गुजरात के हीरा बाजार के बड़े व्यापारी, राजस्थान के शांतिर सट्टेबाज, हरियाणा के भू-माफिया और मुंबई-नासिक के सफेदपोश अपराधी रात के अंधेरे में करोड़ों की लज्जरी गाड़ियां लेकर कतार लगाते हैं। आश्चर्य की बात तो यह है कि जब इन वीआईपी जुआरियों की गाड़ियां येयूर चेक पोस्ट से गुजरती हैं, तब वर्तक नगर पुलिस की पेट्रोलिंग गाड़ियां किसी अंधविश्वास की तरह अपनी आंखें बंद करके रास्ता बदल लेती हैं।

काले साम्राज्य के किंगपिन और सामाजिक साजिश का खुलासा

इस गैरकानूनी काले साम्राज्य का ढांचा अत्यंत शांतिर और सुनियोजित तरीके से बना गया है। राजा ठाकुर और जीतू जलगांव इस काले साम्राज्य के असली अन्नदाता, किंगपिन और फाइनेंसर हैं। इस अड्डे पर कोई कानून का रखवाला न पहुंच सके, इसके लिए मंगेश भोसले और शेखर वडाला जैसे खूंखार बाउंसर्स की फौज तैनात की गई है। इस पूरी लूट की मंडली का मुख्य रणनीतिकार और कैशियर गोपाल शर्मा हैं, जिसका काम पुलिस और प्रशासन के बड़े साहबों के मुंह बंद रखने के लिए हर महीने करोड़ों रुपए की रिश्वत और हफ्ता पहुंचाना है। इस रैकेट का मुख्य सूत्रधार राजा ठाकुर खुद को उपमुख्यमंत्री स्तर के नेताओं का खास आदमी बताकर कानून को जूते की नोक पर रखता है।



लेकिन, इस मामले का सबसे भयानक और राष्ट्रविरोधी पहलू यह है कि यह कैसीनो सिर्फ हार-जीत के जुए तक सीमित नहीं है। सूत्रों के चौकाने वाले दावों के मुताबिक, इस जुए के अड्डे से वसूली जाने वाली काली कमाई का एक बहुत बड़ा हिस्सा मैनेजर रफा और भूरिया के माध्यम से आसपास के गरीब आदिवासी इलाकों में अवैध गतिविधियों, धर्मांतरण और सामाजिक सोहार्द बिगाड़ने वाले एक खास नेटवर्क को फंड करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। जुए के इस गंदे पैसे का उपयोग देश के सामाजिक ताने-बाने को तोड़ने और गैरकानूनी साजिशें रचने के लिए किए जाने की प्रबल आशंका है।

खाकी पर काला दाग: कमिश्नर की लाचारी और सीएमओ की चुप्पी

वर्तक नगर पुलिस स्टेशन के सीनियर पीआई माने की नाक के नीचे यह पूरा गोरखधंधा चल रहा है और थाने में हर रोज नोटों से भरे बैग पहुंचाए जाने के खुलेआम आरोप लग रहे हैं। ठाणे पुलिस कमिश्नर से लेकर डीसीपी स्तर तक के तमाम बड़े साहबों को सबूतों के साथ लिखित शिकायतें देने के बावजूद पूरी व्यवस्था मौन साधकर लाचारी का रौना रो रही है। जिम्मेदार कार्यालयों को इस हाईप्रोफाइल अड्डे की गुप्त जानकारी मिलने के बावजूद कोई भी ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या सत्ता के गलियारों तक इस जुए और गैरकानूनी फंडिंग के पैसे की हिस्सेदारी पहुंच रही है? महानगर मेट्रो न्यूज ठाणे पुलिस प्रशासन से सीधा सवाल पछता है कि अगर आपमें जरा भी नैतिकता बची है, तो अपनी हद में देशविरोधी गतिविधियां चलने देने वाले सीनियर पीआई माने को तत्काल सस्पेंड करें और उनकी आय से अधिक संपत्ति की जांच एंटी-कorrupशन ब्यूरो से कराएं। हमारा यह आक्रोश और जन-जागरूकता अभियान तब तक नहीं थमेगा, जब तक येयूर की पहाड़ियों को कलंकित करने वाला यह मिनी कैसीनो हमेशा के लिए सीन नहीं हो जाता और रफा, भूरिया तथा राजा ठाकुर जैसे मगरमच्छ जेल की सलाखों के पीछे नहीं सड़ते।

दिल्ली के पूर्व मंत्री और कव्नेता गोपाल राय भरूच पहुंचे: झगड़िया में 'मज़ाक' वाले मामले पर BJP पर निशाना साधा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। आम आदमी पार्टी के दिल्ली के पूर्व मंत्री और गुजरात राज्य के प्रभारी गोपाल राय ने भरूच का दौरा किया। उन्होंने झगड़िया स्थित मेट्रोपॉलिटन कंपनी से जुड़े कथित ‘मजाक’ के मामले में गिरफ्तार किए गए AAP के जिला अध्यक्ष समेत तीन नेताओं के परिवारों से मुलाक़ात की। इस दौरान उन्होंने BJP सरकार पर कड़े हमले किए। यह घटना भरूच जिले के झगड़िया GIDC में स्थित मेट्रोपॉलिटन कंपनी से जुड़ी है। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष पीयूष पटेल, वालिया जिला पंचायत सदस्य रजनी वसावा और झगड़िया तालुका अध्यक्ष सर्जन वसावा को गिरफ्तार किया। रिमांड के बाद अब उन्हें सब-जेल भेज दिया गया है, जिससे उनके परिवार वाले परेशान हैं। गोपाल राय सबसे पहले भरूच जिला आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष पीयूष पटेल के घर पहुंचे। वहां उन्होंने उनके परिवार से मुलाक़ात की और उनका हाल-चाल जाना। राय ने परिवार से हिममत और सब रखने की अपील की। इस मुलाक़ात के दौरान स्थानीय नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद थे। मीडिया से बातचीत में गोपाल राय ने कहा, ‘गुजरात में जो भी नेता लोगों के लिए आवाज उठाता है, BJP सरकार के पास उसे जेल भेजने के अलावा कोई और रास्ता नहीं होता।’ उन्होंने आगे कहा, ‘झगड़िया हादसे में कंपनी के खिलाफ FIR करने के बजाय, चैतर वसावा और हमारे उन पदाधिकारियों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए गए हैं जिन्होंने मजदूरों के हक के लिए लड़ाई लड़ी।’ राय ने जोर देकर कहा कि सरकार चाहे कितना भी दमन करे, आम आदमी पार्टी आदिवासियों, किसानों और मजदूरों के हक के लिए कानूनी और आंदोलन के जरिए लड़ती रहेगी। इस पूरे घटनाक्रम ने राजनीतिक माहौल गरमा दिया है। आम आदमी पार्टी अपने नेताओं का समर्थन कर रही है, जबकि पुलिस कानूनी प्रक्रिया के तहत जांच जारी रखे हुए है। आने वाले दिनों में इस मामले में होने वाली कार्रवाई और जांच की दिशा पर सबकी नजर रहेगी।

भाव नगर LCB की बड़ी कामयाबी: निवेशकों को हर महीने 20% रिटर्न का लालच देकर 1 करोड़ रुपये से ज्यादा की धोखाधड़ी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

तालुका। साबरकांठा के हिम्मतनगर सिविल अस्पताल में पिछले दो हफ्तों से चांडीपुरा वायरस के संदिग्ध मामलों को लेकर हड़कंप मचा हुआ है। 26 जून से 9 जुलाई के बीच अस्पताल में कुल 7 संदिग्ध मामले सामने आए हैं, जिनमें से अब तक 3 मासूम बच्चों की मौत हो चुकी है, जिससे स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है।

तीन बच्चों की मौत, एक की रिपोर्ट पॉजिटिव, सिस्टम में हड़कंप

मिली जानकारी के अनुसार, मरने वाले बच्चों में राजस्थान के उदयपुर जिले के खेव्लाड़ा तालुका के बाबरी गाँव के 6 वर्षीय राजकुमार मुकेशभाई डामोर की रिपोर्ट चांडीपुरा वायरस के लिए पॉजिटिव आई है। वहीं, बनासकांठा के बनोदरा गाँव के 3 वर्षीय प्रिंस खराड़ी की रिपोर्ट नेगेटिव आई। इसके अलावा, पंचमहल जिले के वेजलपुर व्यासाडा गाँव की 11 वर्षीय काव्या नायक की भी मौत हो गई है, जिनकी सैपल रिपोर्ट अभी आनी बाकी है। फिलहाल, राजस्थान की 2 वर्षीय पायल पारधी और खेडुब्रह्मा की 3 वर्षीय जानकीबेन परमार का सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनकी रिपोर्ट का इंतजार है। राहत की बात यह है कि विजयनगर के बिल्डिया गाँव की 3 वर्षीय मनस्वी बोदत की रिपोर्ट नेगेटिव आने और पूरी तरह ठीक होने के बाद वह घर लौट चुकी हैं। दूसरी ओर, पेशिना के डेमाटी मेरा गाँव की 3 वर्षीय अक्रोतिबेन परमार को भर्ती कराने के बाद उनके परिवार वाले उन्हें डॉक्टर की इजाजत के बिना ले गए थे; उनकी रिपोर्ट का भी इंतजार किया जा रहा है।

अस्पताल में स्पेशल वार्ड बनाया गया: डॉ. विपुल जानी

इस गंभीर स्थिति के बारे में हिम्मतनगर सिविल अस्पताल के ऋद्ध डॉ. विपुल जानी ने कहा कि चांडीपुरा वायरस के संदिग्ध मरीजों के लिए अस्पताल में तुरंत एक अलग स्पेशल वार्ड बनाया गया है। यहाँ बच्चों का इलाज खास निगरानी में किया जा रहा है। सभी संदिग्ध मामलों की जानकारी जिला स्वास्थ्य विभाग को भेज दी गई है। रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद, स्वास्थ्य विभाग जरूरी काम कर रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, मरने वाले बच्चों में राजस्थान के उदयपुर जिले के खेव्लाड़ा तालुका के बाबरी गाँव के 6 वर्षीय राजकुमार मुकेशभाई डामोर की रिपोर्ट चांडीपुरा वायरस के लिए पॉजिटिव आई है। वहीं, बनासकांठा के बनोदरा गाँव के 3 वर्षीय प्रिंस खराड़ी की रिपोर्ट नेगेटिव आई। इसके अलावा, पंचमहल जिले के वेजलपुर व्यासाडा गाँव की 11 वर्षीय काव्या नायक की भी मौत हो गई है, जिनकी सैपल रिपोर्ट अभी आनी बाकी है। फिलहाल, राजस्थान की 2 वर्षीय पायल पारधी और खेडुब्रह्मा की 3 वर्षीय जानकीबेन परमार का सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनकी रिपोर्ट का इंतजार है। राहत की बात यह है कि विजयनगर के बिल्डिया गाँव की 3 वर्षीय मनस्वी बोदत की रिपोर्ट नेगेटिव आने और पूरी तरह ठीक होने के बाद वह घर लौट चुकी हैं। दूसरी ओर, पेशिना के डेमाटी मेरा गाँव की 3 वर्षीय अक्रोतिबेन परमार को भर्ती कराने के बाद उनके परिवार वाले उन्हें डॉक्टर की इजाजत के बिना ले गए थे; उनकी रिपोर्ट का भी इंतजार किया जा रहा है।

हिम्मतनगर सिविल अस्पताल में चांडीपुरा वायरस का प्रकोप: 14 दिनों में 3 बच्चों की मौत, 1 रिपोर्ट पॉजिटिव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। साबरकांठा के हिम्मतनगर सिविल अस्पताल में पिछले दो हफ्तों से चांडीपुरा वायरस के संदिग्ध मामलों को लेकर हड़कंप मचा हुआ है। 26 जून से 9 जुलाई के बीच अस्पताल में कुल 7 संदिग्ध मामले सामने आए हैं, जिनमें से अब तक 3 मासूम बच्चों की मौत हो चुकी है, जिससे स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। मिली जानकारी के अनुसार, मरने वाले बच्चों में राजस्थान के उदयपुर जिले के खेव्लाड़ा तालुका के बाबरी गाँव के 6 वर्षीय राजकुमार मुकेशभाई डामोर की रिपोर्ट चांडीपुरा वायरस के लिए पॉजिटिव आई है। वहीं, बनासकांठा के बनोदरा गाँव के 3 वर्षीय प्रिंस खराड़ी की रिपोर्ट नेगेटिव आई। इसके अलावा, पंचमहल जिले के वेजलपुर व्यासाडा गाँव की 11 वर्षीय काव्या नायक की भी मौत हो गई है, जिनकी सैपल रिपोर्ट अभी आनी बाकी है। फिलहाल, राजस्थान की 2 वर्षीय पायल पारधी और खेडुब्रह्मा की 3 वर्षीय जानकीबेन परमार का सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनकी रिपोर्ट का इंतजार है। राहत की बात यह है कि विजयनगर के बिल्डिया गाँव की 3 वर्षीय मनस्वी बोदत की रिपोर्ट नेगेटिव आने और पूरी तरह ठीक होने के बाद वह घर लौट चुकी हैं। दूसरी ओर, पेशिना के डेमाटी मेरा गाँव की 3 वर्षीय अक्रोतिबेन परमार को भर्ती कराने के बाद उनके परिवार वाले उन्हें डॉक्टर की इजाजत के बिना ले गए थे; उनकी रिपोर्ट का भी इंतजार किया जा रहा है।

अस्पताल में स्पेशल वार्ड बनाया गया: डॉ. विपुल जानी

इस गंभीर स्थिति के बारे में हिम्मतनगर सिविल अस्पताल के ऋद्ध डॉ. विपुल जानी ने कहा कि चांडीपुरा वायरस के संदिग्ध मरीजों के लिए अस्पताल में तुरंत एक अलग स्पेशल वार्ड बनाया गया है। यहाँ बच्चों का इलाज खास निगरानी में किया जा रहा है। सभी संदिग्ध मामलों की जानकारी जिला स्वास्थ्य विभाग को भेज दी गई है। रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद, स्वास्थ्य विभाग जरूरी काम कर रहा है।

महानगर मेट्रो

खाकी वर्दी की आड़ में करजन बॉर्डर पर मौत का खेल

जेल रिटर्न दागी कांस्टेबल हनू कामड़िया के इशारे पर धधक रही अवैध शराब की भट्टियां और जुए के अड़े, पीआईड पटेल की शह पर सरेआम बिका कानून

करमड़ी तक नशे कारोबार, एलसीबी की मलाईदार खामोशी के खिलाफ फूटा जनता का गुस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

वड़ोदरा / करजन। गुजरात सरकार गांधीनगर से जीरो टॉलरंस और क्लीन गवर्नेंस के चाहे जितने भी ढोल पीट ले, लेकिन वड़ोदरा जिले के करजन तालुका में इन तमाम दावों का जनाजा निकल चुका है। करजन पुलिस स्टेशन की सीमा में कानून और व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं बची है, क्योंकि यहीं असली राज कानून का नहीं बल्कि खाकी वर्दी की ओट में फल-फूल रहे एक खूंखार और बेलगाम सिंडिकेट का चल रहा है। जेल की हवा खाकर आया एक भ्रष्ट कांस्टेबल हनुभा उर्फ हनू कामड़िया इस समय करजन का अधोषित डॉन बनकर पूरे इलाके को नशे और बर्बादी के दलदल में धकेल रहा है। करजन के पीआईड पटेल इस पूरे खेल से अनजान होने का नाटक कर रहे हैं, जबकि पूरा इलाका शराब और जुए का सबसे बड़ा हब बन चुका है।

मौत की फैक्ट्रियां और जुए के अड़े: करजन के 4 काले इलाके!

1. कुराली गांव (नई नगरी): करजन पुलिस स्टेशन की नाक के नीचे इस गांव में पानी की टंकी के पास कानून के खोफ के बिना सरेआम वरली मटका का जुआ और काला धंधा चरम पर है। क्षेत्र का युवा वर्ग अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई यहीं हार रहा है और स्थानीय बीट पुलिस मूकदर्शक बनी बैठी है।

2. सापा गांव (नई वसाहत): इस गांव की नई वसाहत में वरली मटका का जुआ धड़ल्ले से चल रहा है। वड़ोदरा शहर के नामी जुआरियों और असामाजिक तत्वों के लिए यह गांव सुरक्षित ठिकाना बन चुका है। चर्चा है कि बाहर से आने वाली गाड़ियों के लिए विशेष पुलिस प्रोटेक्शन का इंतजाम किया जाता है।

3. कंडारी गांव: यह पूरा गांव देसी शराब के बिक्री केंद्रों में तब्दील हो चुका है। गली-गली में जहर परोसा जा रहा है, मानों पुलिस स्टेशन नहीं बल्कि बूटलेगरों का आधिकारिक दफ्तर चल रहा हो।

जिला केसीजी पुलिस ने अपराध जांच को बनाया हार्ड-टेक विवेचकों को मिले 63 स्मार्ट मोबाइल डेटा टर्मिनल (MDT)

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खैरागढ़। केसीजी पुलिस ने अपराध अनुसंधान और विवेचना की प्रक्रिया को अधिक वैज्ञानिक, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। पुलिस मुख्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए 63 अत्याधुनिक 'स्मार्ट मोबाइल डेटा टर्मिनल' (MDT) का वितरण जिले के थाना और चौकी प्रभारियों एवं विवेचकों को किया गया है। अब तक

विवेचकों को साक्ष्यों के संकलन और दस्तावेजीकरण के लिए कार्यालय पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन इन MDT उपकरणों के माध्यम से विवेचक अब सीधे घटनास्थल से ही डिजिटल साक्ष्य अपलोड कर सकेंगे। यह उपकरण न केवल केस डायरी को रियल-टाइम अपडेट करने में सक्षम हैं, बल्कि ऑनलाइन रिकॉर्ड एक्सेस करने और वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल जानकारी भेजने में भी अत्यंत प्रभावी सिद्ध

सूरत में कुदरत का कहर: बाढ़ ने ली 30 बेगुनाहों की जान, हंसते-खेलते परिवार पल भर में बेघर हुए, डायमंड सिटी में हाहाकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। गुजरात की आर्थिक राजधानी और 'डायमंड सिटी' के नाम से मशहूर सूरत से बेहद दुखद खबर सामने आ रही है। इस प्राकृतिक आपदा और बाढ़ के भयानक कहर के बीच सूरत में अब तक करीब 30 बेगुनाह लोगों की मौत हो चुकी है। जैसे ही यह आंकड़ा सामने आया, पूरे राज्य में शोक की लहर दौड़ गई। कुदरत के इस विकराल रूप ने सूरत के लोगों को ऐसा सदमा दिया है कि इससे उबरने में सालों लग जाएंगे। किसी का लाडला बेटा छिन गया, तो किसी परिवार का कमाने वाला सदस्य चला गया। यह बाढ़ की कोई

वडोदरा सरदार एस्टेट पानी की टंकी के पास एक लज़री बस में भीषण आग लग गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। शहर से आग लगने की एक और चिंताजनक घटना सामने आई है। वडोदरा में सरदार एस्टेट पानी की टंकी के पास अचानक एक लज़री बस में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग इतनी विकराल हो गई कि पूरी बस आग की लपटों में घिर गई और आसमान में धुएं के गुबार उठने लगे। घटना की सूचना

मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद, दमकलकर्मियों ने पानी डालकर आग पर पूरी तरह काबू प लिया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, यह लज़री बस 'शाह टैक्ल्स' की है। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन गंभीरत रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

होंगे। जिला पुलिस प्रशासन के अनुसार, ख़ूब्र कोई सामान्य स्मार्टफ़ोन नहीं, बल्कि पुलिसिंग के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया एक सुरक्षित डिजिटल उपकरण है। इसमें विभागीय एप्लीकेशन और एन्क्रिप्टेड नेटवर्क की सुविधा उपलब्ध है। इसके उपयोग से जांच के दौरान होने वाले अनावश्यक विलंब में कमी आएगी और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का बेहतर संरक्षण सुनिश्चित होगा। वितरण

प्रशासन और नगर निगम के मौनसून-पूर्व तैयारियों के दावों पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। हर साल पानी की तरह करोड़ों रुपये बहाने के बावजूद, भारी बारिश होते ही सूरत के निचले इलाके मौत का कुआं क्यों बन जाते हैं? लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर क्यों नहीं पहुँचाया गया? प्रशासन की इसी क्लिाई और खराब योजना के कारण आज 30 परिवारों के चिराग बुझ गए हैं। फिलहाल, प्रभावित इलाकों में प्रशासन, NDRF और स्थानीय सामाजिक संगठनों की ओर से युद्धस्तर पर राहत और बचाव कार्य चलाए जा रहे हैं। लोगों तक खाने के पैकेट और सुरक्षित आश्रय

प्रशासन की भारी लापरवाही: त्वांट के सचनी गाँव में तडकाचाला जल आपूर्ति योजना एक आपदा में बदल गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

तालुका। एक तरफ सरकार हर आखिरी व्यक्ति तक पानी पहुँचाने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, तो दूसरी तरफ क्वांट तालुका के सचनी गाँव में विकास के नाम पर आपदा जैसी स्थिति पैदा हो गई है। यहाँ चल रही तडकाचाला जल आपूर्ति योजना का काम प्रशासन और ठेकेदार की भारी लापरवाही का जीता-जागता सबूत बन गया है। जिम्मेदार लोगों की लापरवाही और खराब योजना के कारण हजारों लीटर कीमती पानी बर्बाद हो रहा है। इस योजना के खराब कामकाज के कारण, पानी पाइपलाइन या नल तक पहुँचने के बजाय सीधे किसानों के खेतों में बह गया। इस खराब संचालन के कारण खेत दलदल में बदल गए हैं और

कार्यक्रम के दौरान जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी विवेचकों को इन उपकरणों के प्रभावी उपयोग हेतु निर्देशित किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि तकनीक आधारित विवेचना आज के समय की मांग है, जिससे जांच की गुणवत्ता में सुधार होगा और आम नागरिकों को त्वरित एवं पारदर्शी पुलिस सेवाएं प्राप्त होंगी। कार्यक्रम में लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने वाहन मालिकों से कहा कि मालपुर स्थित एक सोलर कंपनी में अधिकारियों के आने-जाने के लिए गाड़ियां किराए पर लेनी हैं। कंपनी की ओर से स्टाम्प पेपर पर एप्रोमेंट किया जाएगा और 25,000 का मासिक किराया दिया जाएगा। उन्हें यह भरोसा दिलाकर गाड़ियां सौंपने के लिए राजी किया गया कि डीजल, इंधन और सर्विसिंग समेत सारा खर्च कंपनी उठाएगी। शिकायत के मुताबिक, गाड़ी सौंपने के बाद पहले महीने के लिए 25,000 ऑनलाइन दिए गए। इसके बाद, बार-बार मांगने पर भी किराए की रकम नहीं दी गई। आरोपियों ने महीने के आखिर में भुगतान करने का भरोसा दिलाया, लेकिन बाद में मोबाइल फोन बंद कर लिया। शिकायतकर्ता 1 जुलाई को आरोपियों से संपर्क करने मालपुर पहुंचा, लेकिन उसे गाड़ी वापस नहीं मिली। शिकायत के अनुसार, गाड़ी वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी दी गई और उसके बाद उनसे संपर्क नहीं हो पाया। शिकायत में कहा गया है कि न केवल शिकायतकर्ता, बल्कि कालिया झील और आसपास के इलाकों के लगभग 20 ट्रैक्टर, ट्रॉली, ट्रैक्टर और बोलेरो वाहन मालिक भी इसी तरह से वाहन किराए पर देकर धोखाधड़ी का शिकार हुए हैं।

सूरत में कुदरत का कहर: वाढ़ ने ली 30 बेगुनाहों की जान

पहुँचाए जा रहे हैं, लेकिन अपनों को खोने वाले परिवारों का दुख कभी कम नहीं होगा। पक्को गुजरात न्यूज मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता है और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है।

किसानों द्वारा दिन-रात खून-पसीना बहाकर उगाई गई खड़ी फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। बीज, खाद और कड़ी मेहनत की ऊँची लागत को लीपापोली? इस आर्थिक क्रूरान के कारण? जनता अब कैसे तीखे सवाल पूछ रही है। अगर उच्च स्तर से तत्काल जाँच करके इस रिसाव और खराब कामकाज को नहीं रोका गया, तो पूरी संभावना है

23 लाख के शराब घोटाले का आरोपी हनू कामड़िया फिर से कमाऊ पूत कैसे बना?

इस पूरे काले साम्राज्य का असली मास्टरमाइंड करजन पुलिस का ही दागी कांस्टेबल हनू कामड़िया है। यह वही हनुभा है जो पहले 23 लाख रुपए की विदेशी शराब के बड़े घोटाले में बूटलेगरों के साथ सीधे गठजोड़ के आरोप में जेल की सलाखों के पीछे जा चुका है, सस्पेंड हो चुका है और जिसे वड़ोदरा जिले से बाहर खदेड़ दिया गया था। लेकिन, सबसे बड़ा सवाल यह है कि जेल की हवा खाने के बावजूद किस बड़े राजनीतिक आका के इशारे पर इस भ्रष्ट कांस्टेबल को फिर से करजन में ही मलाईदार ‘वहीवटदार’ (लेनदेन सँभालने वाला) की कुर्सी सौंप दी गई करजन के पीआईड पटेल के लिए यह हनू कामड़िया इस समय सोने का अंडा देने वाली मुर्गी साबित हो रहा है। पीआईड पटेल की सीधी छत्रछाया में हनू कामड़िया हर रोज बूटलेगरों के साथ बैठकर विदेशी शराब की खेप उतरवा रहा है और इस काली कमाई से करोड़ों रुपए की बेनामी संपत्तियां खड़ी कर रहा है।

हमारा खुला चैलेंज

करजन की जनता अब इस नरक और हफ्ताखोरी के सिस्टम से पूरी तरह त्रस्त हो चुकी है। अगर करजन में चल रहा यह मौत का कारोबार और करोड़ों का भ्रष्टाचार तुरंत बंद नहीं किया गया, तो महानगर मेट्रो न्यूज अगले अंक में इस भ्रष्ट तिकड़ी के ऑडियो-वीडियो सबूतों और करोड़ों की बेनामी संपत्तियों के आधिकारिक दस्तावेजों के साथ ऐसा महाविस्फोट करेगी कि गांधीनगर तक की कुर्सी हिल जाएगी! तैयार रहिएगा !

महानगर मेट्रो के सीधे और तीखे सवाल

- वड़ोदरा जिला पुलिस कप्तान अग्रवाल साहब, आपकी नाक के नीचे एक जेल रिटर्न कांस्टेबल पूरा तालुका पुलिस स्टेशन चला रहा है, क्या आप इस भ्रष्ट वहीवटदार हनू कामड़िया और पीआईड पटेल को तुरंत सस्पेंड करके उनकी करोड़ों की बेनामी संपत्ति की जांच विजिलेंस या एसीबी को सौंपेंगे?
- गांधीनगर की स्टेट मॉनिटरिंग सेल करजन के इन चार डेज़र जोन पर कब गुप्त छापेमारी करके इस खाकी-बूटलेगर नेवसस का खात्मा करेगी?
- राजनीतिक आकाओं के दम पर कूदने वाले ऐसे भ्रष्ट पुलिसकर्मियों के खिलाफ सरकार कब कड़ा कानूनी शिर्काऊ कसकर उन्हें फिर से जेल की राह दिखाएगी?

झालोड के करीब 20 वाहन मालिकों को मालपुर सोलर कंपनी में गाड़ियां किराए पर लगाने का लालच देकर लाखों रुपये की धोखाधड़ी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोड। झालोड तालुका के कालिया तालाब गांव के एक युवक समेत करीब 20 वाहन मालिकों ने झालोड पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने गंभीर आरोप लगाया है कि उन्हें मालपुर सोलर कंपनी में गाड़ियां किराए पर लगाने का लालच देकर धोखा दिया गया। शिकायत में भारतीय डंड संहिता, 2023 की धारा 316, 318 और 3(5) के तहत तीन लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने वाहन मालिकों से कहा कि मालपुर स्थित एक सोलर कंपनी में अधिकारियों के आने-जाने के लिए गाड़ियां किराए पर लेनी हैं। कंपनी की ओर से स्टाम्प पेपर पर एप्रोमेंट किया जाएगा और 25,000 का मासिक किराया दिया जाएगा। उन्हें यह भरोसा दिलाकर गाड़ियां सौंपने के लिए राजी किया गया कि डीजल, इंधन और सर्विसिंग समेत सारा खर्च कंपनी उठाएगी। शिकायत के मुताबिक, गाड़ी सौंपने के बाद पहले महीने के लिए 25,000 ऑनलाइन दिए गए। इसके बाद, बार-बार मांगने पर भी किराए की रकम नहीं दी गई। आरोपियों ने महीने के आखिर में भुगतान करने का भरोसा दिलाया, लेकिन बाद में मोबाइल फोन बंद कर लिया। शिकायतकर्ता 1 जुलाई को आरोपियों से संपर्क करने मालपुर पहुंचा, लेकिन उसे गाड़ी वापस नहीं मिली। शिकायत के अनुसार, गाड़ी वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी दी गई और उसके बाद उनसे संपर्क नहीं हो पाया। शिकायत में कहा गया है कि न केवल शिकायतकर्ता, बल्कि कालिया झील और आसपास के इलाकों के लगभग 20 ट्रैक्टर, ट्रॉली, ट्रैक्टर और बोलेरो वाहन मालिक भी इसी तरह से वाहन किराए पर देकर धोखाधड़ी का शिकार हुए हैं।

धाधर नदी पर पुल का काम धीमा, एक्सीडेंट ज़ोन बनने पर डभोई पुलिस हरकत में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। तालुका में राजली और भिलापुर के बीच धाधर नदी पर बन रहे ओवरब्रिज का काम एक साल से भी ज्यादा समय से बहुत धीमी गति से चल रहा है। स्टेट हाईवे के जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदार की भारी लापरवाही के कारण, यह सड़क अब वाहन चालकों के लिए ‘मौत का कुआं’ साबित हो रही है। सड़क पर डायवर्जन होने के बावजूद, कोई खास नोटिस बोर्ड, रेड लाइट या पीली पट्टियां नहीं लगाई गई हैं। बस कुछ कच्ची पट्टियां लगाई गई हैं, जो रात के अंधेरे में वाहन चालकों को ब्लिंकलर दिखाई नहीं देती। इस बड़े मोड़ पर अपर्याप्त व्यवस्थाओं के कारण अक्सर छोटे-बड़े हादसे हो रहे हैं। पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए, डभोई पुलिस स्टेशन के पी.आई. ए.टी. पटेल और जे.जी. वाघेला ने सड़क और भवन विभाग के अधिकारियों और संबंधित ठेकेदार कंपनी को लिखित में सख्त नोटिस जारी किए हैं। पुलिस ने नोटिस में स्पष्ट निर्देश दिए हैं बड़ा रेडियम साइन बोर्ड। डभोई से वडोदरा जाने वाली लेन पर जहां दाईं ओर मुड़ने के लिए डायवर्जन दिया गया है, वहां तुरंत तीर के निशान वाले बड़े रेडियम साइन बोर्ड लगाए। ब्लिंकर लाइट की व्यवस्था: ऐसी लाइटों की पर्याप्त व्यवस्था करें जो चालू-बंद होती रहें ताकि वाहन चालकों को रात में दूर से ही डायवर्जन दिखाई दे सके। अगर भविष्य में इस जगह पर सुरक्षा उपकरणों की कमी के कारण कोई हादसा होता है या किसी की जान जाती है, तो सड़क और भवन विभाग (डभोई) के जिम्मेदार अधिकारियों और काम करने वाले ठेकेदार को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया जाएगा और उनके खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें आरोपी बनाया जाएगा; डभोई पुलिस स्टेशन ने सख्त चेतावनी दी है। अब यह देखना बाकी है कि पुलिस के इस सख्त नोटिस के बाद गहरी नींद में सोए सिस्टम के अधिकारी और ठेकेदार कब जागेंगे? क्या वे किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहे हैं? अब यह देखना बाकी है कि ठेकेदार और अधिकारी पुलिस द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन कब करेंगे।

हिंद-प्रशांत में भारत का बढ़ता सामर्थ्य एवं साझेदारियां



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता है। वर्षों तक भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक माना जाता था, लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल रही है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान ने रक्षा उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल, आकाश वायु रक्षा प्रणाली, पिनाका रॉकेट सिस्टम, तेजस लड़ाकू विमान और अत्याधुनिक रक्षा उपकरण आज विश्व के अनेक देशों का विश्वास जीत रहे हैं।

संपादकीय

गैंगवार पर वार

अमेरिका ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई व गोल्डी बराड़ के खिलाफ कई देशों में कार्रवाई करते हुए दो दर्जन लोगों को गिरफ्तार करने और नशीले पदार्थ व हथियार बराद करने का दावा किया है। इतना ही नहीं कई अपराधों में वांछित गैंगस्टर गोल्डी बराड़ पर भी एफबीआई ने पचास हजार डॉलर का इनाम घोषित किया है। अमेरिकी अभियोजन पक्ष का दावा है कि इन गैंगों के गुप्तों के खिलाफ कार्रवाई में एफबीआई, लॉस एंजिल्स पुलिस, रॉयल कैनेडियन माउटेड पुलिस तथा अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर अधिकारियों ने हिस्सा लिया। अमेरिका की यह ताबड़-तोड़ कार्रवाई कनाडा सरकार की उस घोषणा के तुरंत बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि कनाडा ने निज्जर हत्याकांड में भारत की कोई भूमिका नहीं थी। उल्लेखनीय है कि बहुचर्चित निज्जर हत्याकांड को लेकर पिछली जस्टिन ट्रूडो सरकार ने भारत सरकार के एक अधिकारी पर सल्लिप्तता के आरोप लगाए थे। जिसके चलते भारत व कनाडा के रिश्ते सबसे निचले स्तर तक जा पहुंचे थे। लेकिन नई सरकार ने ट्रूडो की थ्योरी को नकार दिया था। जिसके बाद ही अमेरिका की यह तल्व्व प्रतिक्रिया सामने आई है। कनाडा पुलिस के सूत्रों के अनुसार अमेरिका लॉरेंस बिश्नोई के प्रत्यारोपण की मांग करेगा। फिलहाल बिश्नोई गुजरात की एक जेल में 2015 से बंद है। बहरहाल, अमेरिकी एंजेंसियों द्वारा चलाए गए हथौड़ बॉल ऑपरेशनह में जिन 24 लोगों की गिरफ्तारियां हुई है, उन पर भारत से जुड़े संगठित अपराधी गुटों से संबंध होने का आरोप लगाया है। लॉरेंस और गोल्डी बराड को कई मामलों में आरोपी बनाया गया है, जिसमें साल 2023 में खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की साजिश में शामिल होना भी है। बाकायदा अमेरिका ने बिश्नोई को निज्जर हत्याकांड में आरोपी बनाया है। उधर लॉस एंजिल्स के संघीय अभियोजकों का दावा है कि ये गिरफ्तारियां कई साल तक चली जांच का नतीजा हैं, जो भारतीय अपराधी गिरोहों पर केंद्रित रही हैं। अमेरिकी अधिकारियों द्वारा सांख्यिकीय किफ ग्राफ दस्तावेजों में 37 अभियुक्तों पर आरोप लगाए गये हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि अमेरिका की नीतियां अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर ही खत्म हो जाती हैं। ऐसे में भारतीय गैंगस्टरों पर की जा रही ताबड़-तोड़ कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठाये जा रहे हैं। निस्संदेह, गैंगवार पर अंकुश लगना चाहिए, लेकिन सवाल इस कार्रवाई की टाइमिंग को लेकर है। इससे ठीक पहले कनाडा सरकार ने निज्जर हत्याकांड में भारत की किसी भूमिका को खारिज किया था। अमेरिका का आकलन है कि राष्ट्रवाद के नाम पर

चितन-मनन

प्रार्थना की पुकार

यदि प्रार्थना सच्ची हो तो परमपिता परमेश्वर उस प्रार्थना को जरूर ही सुनते हैं। परमपिता परमेश्वर अत्यंत कृपालु और दयालु हैं, परंतु प्रार्थना के लिए भी हृदय का पवित्र और निर्मल होना अत्यंत आवश्यक है। मन का पवित्र होना, अहंकार और अभिमान से रहित होना नितांत आवश्यक है। ऐसे पवित्र-हृदय-अंतः करण से उत्पन्न हुए भाव ही प्रार्थना है। हृदय की पवित्रता का अर्थ है अपने आपको सांसारिक तुच्छ विषय-वासनाओं की आसक्तियों से मुक्त कर लेना। सब तरह की आसक्ति से रहित होना ही हृदय की पवित्रता है। किसी तपस्वी ने ठीक ही कहा है- सच्चे-वास्तविक जीवन को पाने की आकांक्षा उत्पन्न होना ही प्रार्थना है। हमारे भीतर हृदय में जिसकी खोज होगी, भीतर जिस चीज को पाने की प्यास होगी- तो, ही हम उस दिशा में जा सकेगे। प्रार्थना होती है आत्म बोध से। आत्मबोध में ही परमार्थ की प्यास जगती है और तुच्छ स्वार्थों का परित्याग होता है। प्रार्थना है- परिपूर्ण समर्पण, अपने अहंकार के बोझ को अपने सिर से उतार फेंकना और उसके पवन चरणों में अपना सिर झुका देना। जो प्रभु की कृपाएं और उनका अनुग्रह चाहता है उसे चाहिए कि वह किसी से भी किसी तरह का वैर-विरोध न करे। वह सत्य बोले, वह असत्य, छल-कपट, निंदा-चोरी आदि से हमेशा दूर रहे। अपनी इंद्रियों पर हमेशा संयम रखे, किसी भी प्रकार का लोलुप-लालची न हो। वह कभी अहंकार अभिमान न करे, शत्रु-द्वेष को छोड़कर मन को शुद्ध पवित्र रखे। प्रार्थना की शक्ति बहुत ही अद्भुत है। वह भगवान को भक्त का उद्धार करने के लिए अवश्य ही बाध्य कर देती है, परंतु प्रार्थना सच्ची हो, हृदय से हो। भगवान ने प्रार्थना मीरा की सुनी, बुद्ध की सुनी, उन सबकी सुनी जिन्होंने परहित के लिए उन्हें याद किया। वह हर मानव मन में चल रहे भाव-कुभाव को अच्छी तरह से जानते हैं। अतः उसके समक्ष जब भी जाएं, शुद्ध भाव रखें।

भारत आज केवल विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति ही नहीं, बल्कि एक उभरती हुई वैश्विक महाशक्ति के रूप में अपनी नई पहचान स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने जिस आत्मविश्वास, स्पष्टता और दूरदृष्टि का परिचय दिया है, उसने अंतरराष्ट्रीय राजनीति की दिशा बदल दी है। कभी जो भारत अपनी रक्षा आवश्यकताओं के लिए विदेशी हथियारों पर निर्भर था, वही भारत आज आधुनिक मिसाइलों, रक्षा प्रणालियों और सैन्य उपकरणों का निर्यात करने वाला विश्वसनीय राष्ट्र बन चुका है। यह परिवर्तन केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक, वैज्ञानिक, सैन्य और कूटनीतिक शक्ति का भी प्रमाण है। हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया सहित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ हुई उच्चस्तरीय वाताएं इस नई विदेश नीति की सफलता का सशक्त उदाहरण हैं। रक्षा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, तकनीक और रणनीतिक सहयोग के क्षेत्रों में हुए समझौते यह स्पष्ट करते हैं कि भारत अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक स्थिरता और सुरक्षा का महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है।

भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता है। वर्षों तक भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक माना जाता था, लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल रही है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान ने रक्षा उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल, आकाश वायु रक्षा प्रणाली, पिनाका रॉकेट सिस्टम, तेजस लड़ाकू विमान और अत्याधुनिक रक्षा उपकरण आज विश्व के अनेक देशों का विश्वास जीत रहे हैं। भारत की स्वदेशी अस्त्र मिसाइल और ब्रह्मोस मिसाइल आज केवल भारतीय सेना की शक्ति का प्रतीक नहीं हैं, बल्कि विश्व के अनेक देशों की सुरक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति का माध्यम भी बन रही हैं। पाकिस्तान के विरुद्ध आतंकवाद विरोधी अभियानों में इन हथियारों की प्रभावशीलता ने विश्व का ध्यान आकर्षित किया है। यही कारण है कि इंडोनेशिया जैसे महत्वपूर्ण देश अपने सुखोई लड़ाकू विमानों के लिए अस्त्र मिसाइल प्राप्त करना चाहते हैं तथा ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली खरीदने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह भारत के रक्षा उद्योग के प्रति बढ़ते वैश्विक विश्वास का प्रमाण है।

इंडोनेशिया हिंद-प्रशांत क्षेत्र का अत्यंत महत्वपूर्ण देश है। मलक्का जलडमरूमध्य जैसे विश्व के सबसे व्यस्त समुद्री



मार्ग पर उसकी रणनीतिक स्थिति वैश्विक व्यापार के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। भारत और इंडोनेशिया के बीच बढ़ता रक्षा सहयोग केवल दो देशों के संबंधों को मजबूत नहीं करता, बल्कि पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन को भी नया आयाम देता है। समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद विरोध, रक्षा तकनीक, साइबर सुरक्षा और संयुक्त सैन्य अभ्यासों के माध्यम से दोनों देशों का सहयोग क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि भारत अब किसी पर निर्भर होकर नहीं, बल्कि समान साझेदारी और परस्पर सम्मान के आधार पर संबंध स्थापित कर रहा है। भारत किसी देश पर अपनी शक्ति थोपने में विश्वास नहीं रखता। उसकी विदेश नीति का मूल मंत्र है-'वसुधैव कुटुम्बकम्', 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' और 'विश्व बंधुत्व'। यही कारण है कि भारत जहां अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप के साथ रणनीतिक संबंध मजबूत कर रहा है, वहीं दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका, पश्चिम एशिया और वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ भी विश्वासपूर्ण साझेदारी विकसित कर रहा है।

आज हिंद-प्रशांत क्षेत्र विश्व राजनीति का केंद्र बन चुका है। चीन का विस्तारवादी रवेया, दक्षिण चीन सागर में उसका सैन्यीकरण, छोटे देशों पर दबाव बनाने की नीति तथा आर्थिक प्रभुत्व स्थापित करने के प्रयास विश्व समुदाय के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। भारत ने इन परिस्थितियों में संतुलित, शांतिपूर्ण लेकिन हट्ट रणनीति अपनाई है। भारत किसी के विरुद्ध युद्ध नहीं चाहता, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता से कोई समझौता भी नहीं करता। यही संतुलित दृष्टिकोण भारत को विश्व का विश्वसनीय साझेदार

बनाता है। भारत की बढ़ती रक्षा क्षमता चीन और पाकिस्तान जैसे देशों के लिए स्पष्ट संदेश है कि नया भारत अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम है। भारत अब केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और आधुनिक तकनीकी युद्ध की तैयारियों में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्वदेशी रक्षा उत्पादन इस दिशा में भारत की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं की सबसे बड़ी सफलता यह रही है कि उन्होंने भारत की वैश्विक छवि को अभूतपूर्व ऊंचाई प्रदान की है। आज विश्व के बड़े राष्ट्र भारत को केवल विशाल बाजार के रूप में नहीं, बल्कि विश्वसनीय मित्र, तकनीकी साझेदार, निवेश गंतव्य और सुरक्षा सहयोगी के रूप में देख रहे हैं। जी-20 की सफल अध्यक्षता, क्वाड की सक्रिय भूमिका, इंडो-पैसिफिक सहयोग, वैश्विक दक्षिण की आवाज तथा जलवायु परिवर्तन, डिजिटल अर्थव्यवस्था और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में भारत का नेतृत्व इसकी पुष्टि करता है। भारत की विदेशी नीति अब केवल कूटनीतिक दस्तावेज नहीं रही, बल्कि राष्ट्रीय विकास का सशक्त माध्यम बन चुकी है। रक्षा निर्यात बढ़ने से विदेशी मुद्रा अर्जित हो रही है, लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं, अनुसंधान एवं नवाचार को नई गति मिल रही है और भारतीय उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत हो रहे हैं। यह विकसित भारत के निर्माण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

भारत की विदेश नीति का मूल मंत्र सदैव शांति, सह-अस्तित्व और परस्पर सम्मान रहा है। आदर्श स्थिति में किसी भी दो देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी की नींव

मुफ्त दवा योजना पर संकट नहीं समाधान की जरूरत

आसान नहीं होता। विशेष रूप से कैंसर, हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य गंभीर बीमारियों के मरीजों के लिए नियमित दवाएं जीवन का आधार होती हैं। यदि ऐसी दवाएं समय पर नहीं मिलें तो बीमारी बढ़ सकती है और आर्थिक बोझ भी कई गुना बढ़ जाता है। यही कारण है कि निशुल्क दवा योजना को राजस्थान की सबसे महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं में गिना जाता है। जयपुर के एसएमएस अस्पताल में जिन मरीजों को एक काउंटर से दूसरे काउंटर तक भेजा गया, कई दिनों बाद आने के लिए कहा गया या फिर बाहर से दवा खरीदने की सलाह दी गई, उनकी परेशानी को सहज रूप से समझा जा सकता है। जो मरीज सैकड़ों किलोमीटर दूर से किराया खर्च करके अस्पताल पहुंचता है, उसके लिए केवल दवा ही नहीं बल्कि दोबारा आने-जाने का खर्च भी बड़ी चुनौती बन जाता है। ऐसे मरीजों के सामने यह प्रश्न खड़ा हो जाता है कि वह इलाज कराए या परिवार का खर्च चलाए।

यह भी सच है कि यह समस्या केवल जयपुर तक सीमित नहीं दिखाई देती। प्रदेश के कई सरकारी अस्पतालों में समय-समय पर कुछ दवाओं की कमी की शिकायतें सामने आती रही हैं। कहीं सप्लाई में देरी होती है तो कहीं खरीद प्रक्रिया पूरी होने तक मरीजों को इंतजार करना पड़ता है। इससे सरकार की अच्छी योजनाओं की छवि प्रभावित होती है। जनता यह नहीं देखती कि कमी किस स्तर पर हुई है। उसके लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह होती है कि अस्पताल पहुंचने पर दवा मिलनी चाहिए।

हालांकि इस पूरे विषय को केवल आलोचना के दृष्टिकोण से देखना भी उचित नहीं होगा। राजस्थान सरकार ने पिछले कई वर्षों में चिकित्सा सुविधाओं का उल्लेखनीय विस्तार किया है। नए मेडिकल कॉलेजों की

स्थापना, जिला अस्पतालों का सुदृढ़ीकरण, मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना और निशुल्क जांच योजना जैसी पहल ने लाखों गरीब परिवारों को राहत दी है। यदि ये योजनाएं नहीं होतीं तो गरीब मरीजों का इलाज और भी कठिन हो जाता। इसलिए यह कहना उचित होगा कि योजना में कमी नहीं है बल्कि उसके क्रियान्वयन के कुछ हिस्सों में सुधार की आवश्यकता है। अस्पताल प्रशासन का यह कहना भी महत्वपूर्ण है कि कुछ दवाएं राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड से उपलब्ध नहीं हो पातीं तो स्थानीय स्तर पर खरीद की जाती है। कई बार आपूर्ति करने वाली कंपनियों की ओर से विलंब होने के कारण अस्थायी समस्या उत्पन्न हो जाती है। यदि वास्तव में ऐसा है तो इसका समाधान भी प्रशासनिक स्तर पर संभव है। दवाओं की उपलब्धता का नियमित आकलन, समय रहते नई खरीद प्रक्रिया और वैकल्पिक व्यवस्था से इस प्रकार की कठिनाइयों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। स्वास्थ्य व्यवस्था जितनी बड़ी होती है, चुनौतियां भी उतनी ही अधिक होती हैं। राजस्थान जैसे विशाल राज्य में करोड़ों लोगों को निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना आसान कार्य नहीं है। दवाओं की मांग लगातार बढ़ रही है और कई बार अनुमान से अधिक मरीज आने के कारण स्टॉक जल्दी समाप्त हो जाता है। इसलिए इस समस्या को केवल लापरवाही कह देना भी पूरी तस्वीर नहीं दर्शाता। आवश्यकता इस बात की है कि स्वास्थ्य विभाग, अस्पताल प्रशासन और दवा आपूर्ति एजेंसियां मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करें जिससे आवश्यक दवाओं का भंडार हमेशा सुरक्षित रहे। तकनीक का बेहतर उपयोग भी इस दिशा में बड़ा समाधान बन सकता है। यदि सभी सरकारी अस्पतालों में दवाओं का ऑनलाइन स्टॉक रियल टाइम अपडेट हो

तो यह पहले ही पता चल जाएगा कि कौन सी दवा कितनी मात्रा में बची है और कब नई खेप की आवश्यकता होगी। इससे आपूर्ति में होने वाली देरी को काफी हद तक रोका जा सकता है। मरीजों को भी मोबाइल या हेल्पलाइन के माध्यम से यह जानकारी मिल सके कि संबंधित दवा किस अस्पताल में उपलब्ध है। इससे उन्हें अनावश्यक चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। साथ ही अस्पतालों में मरीजों के साथ संवाद की व्यवस्था भी बेहतर होनी चाहिए। यदि किसी स्टा की अस्थायी कमी है तो मरीज को स्पष्ट रूप से बताया जाए कि दवा कब तक उपलब्ध होगी या उसका सुरक्षित विकल्प क्या है। कई बार जानकारी के अभाव में मरीज अस्पताल परेशान हो जाता है। संवेदनशील व्यवहार और स्पष्ट सूचना भी आधी समस्या का समाधान कर देती है। इस विषय में जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों की भी भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्हें केवल आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित रहने के बजाय स्थानीय स्टा पर समस्याओं की जानकारी सरकार तक पहुंचानी चाहिए। जहां भी दवा की कमी हो, वहां तत्काल समाधान के लिए प्रयास होने चाहिए। स्वास्थ्य सेवा राजनीति का नहीं बल्कि मानवता का विषय है। इसलिए सभी पक्षों को मिलकर काम करना चाहिए। सरकार के सामने यह अवसर भी है कि वह इस घटना को एक चेतावनी के रूप में लेकर पूरे प्रदेश में दवा आपूर्ति व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करे। जिन अस्पतालों में जीवनरक्षक दवाओं की कमी है वहां तत्काल अतिरिक्त स्टॉक भेजा जाए। खरीद प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी तथा तेज बनाया जाए। जिन अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होती है, वहां जवाबदेही भी सुनिश्चित की जाए। इससे जनता का विश्वास और मजबूत होगा।

बदलते समय की कड़वी सच्चाई: शादी में हमेशा पुरुष ही ‘पहल’ क्यों करते

हैं? अब बेडरूम में शर्म और झिझक की दीवार तोड़ने का समय आ गया है

आज के आधुनिक दौर में हम जेंडर इक्वालिटी (स्त्री-पुरुष समानता) की बहुत बातें करते हैं। आज महिलाएं शिक्षा से लेकर प्रशासन तक हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। लेकिन, जब बात बेडरूम, प्यार और सेक्सुअल रिश्तों की आती है, तो हमारा पूरा समाज सदियों पुरानी रूढ़िवादी सोच में फंसा हुआ है। आज भी हमारे समाज में एक ऐसी अनकही सोच है कि चाहे प्यार का इजहार करना हो, भावनाएं बतानी हों या शारीरिक संबंध बनाने हों, ‘पहल’ हमेशा पुरुष को ही करनी चाहिए। अगर कोई महिला पुरुष के सामने अपनी शारीरिक इच्छा जाहिर करती है, तो उसे आज भी शक या नकारात्मक नज़रिए से देखा जाता है। लेकिन क्या यह सोच एक स्वस्थ शादी के लिए सही है?

पुरुषों के मन की अनकही इच्छाएं: अपनी पत्नी में ‘रंभा’ और ‘प्रेयसी’ की तलाश करता पति

पुराने ग्रंथों से लेकर आज की साइकोलॉजी तक, एक बात बार-बार सामने आई है कि ज्यादातर पुरुष चाहते हैं कि बेडरूम में उनकी पत्नी ‘शयनेषु रंभा’ (बिस्तर पर अप्सरा जैसी) हो। इसका मतलब यह नहीं है कि वे सिर्फ अपनी संतुष्टि चाहते हैं, बल्कि वे बाहरी कि उनकी पत्नी भी इस रिश्ते में उतनी ही उत्साहित और सक्रिय रहे। पुरुष भले ही अपनी पत्नी से इस विषय पर खुलकर बात करने में हिचकिचाएं, लेकिन उनके दिल में कहीं न कहीं यह जबरदस्त इच्छा होती है कि उनकी पत्नी कभी-कभी सारी बंदिशें और शर्म छोड़कर खुद आगे बढ़कर प्यार का संकेत दे। हर पति को यह अच्छ लगता है कि उसकी पत्नी सिर्फ

घर की जिम्मेदारियां संभालने वाली गृहिणी बनकर न रहे, बल्कि कभी-कभी उसकी प्रेमिका बनकर उसे खुश भी करे।

जब रिश्ता सिर्फ ‘एकतरफ़ा फ़र्ज़’ बनकर रह जाए...

अब सिक्के का दूसरा पहलु भी देखिए। जब हर बार, हर दिन शारीरिक संबंध बनाने के लिए सिर्फ पति को ही पहल करनी पड़ती है, तो धीरे-धीरे उसके मन में एक अनजानी नकारात्मकता पैदा होने लगती है। पति सोचने पर मजबूर हो जाता है, ‘क्या मैं अपनी पत्नी के साथ यह सब बेकार में कर रहा हूँ? क्या उसे मुझमें कोई दिलचस्पी नहीं है?’

दूसरी ओर, दिन भर घर के कामों, बच्चों की जिम्मेदारियों या ऑफिस के काम से थकी-हारी पत्नी अवसर बेडरूम में बेधन से लेटी रहती है और इसे सिर्फ एक ‘जिम्मेदारी’ मानती है। जब पत्नी बिस्तर पर बिना किसी उत्साह के ‘लाश’ की तरह पड़ी रहती है, तो पुरुष के मन से प्यार और जोश का दीया अपने आप बुझ जाता है। यही सुस्ती शादीशुदा ज़िंदगी में मानसिक दूरी बढ़ने का सबसे बड़ा कारण बन जाती है।

महिलाओं की शारीरिक इच्छा कोई अपराध नहीं है: शर्म छोड़ें, स्पर्श से माहौल बदलें

मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि पुरुषों की तरह ही महिलाओं के शरीर में भी शारीरिक और मानसिक इच्छाओं

का जानना पूरी तरह से स्वाभाविक और जैविक प्रक्रिया है। महिलाओं को इस डर से बाहर निकलना चाहिए कि अगर वे अपनी इच्छा जाहिर करेंगी, तो उनके पति उनके चरित्र के बारे में क्या सोचेंगे। अगर आपको शब्दों में कहने में शर्म आती है, तो आपको बोलने की ही जरूरत नहीं है। रात में पति के करीब जाना, उन्हें प्यार से गले लगाना, उनके शरीर को स्नेह से छूना या उनकी गर्दन पर हाथ रखना - ऐसे छोटे-छोटे इशारे ही पुरुष को आपकी भावनाएं समझाने के लिए काफी हैं। पति को एक ऐसी साथी की जरूरत होती है जो उसकी मर्दानगी को समझे और उनके निजी पलों का सही ढंग से आनंद ले। रिश्ते टूटने और एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर (विवाह-बाहर संबंध) का असली कारण आज समाज में तलाक और एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसके पीछे एक मुख्य और सबसे आम कारण बेडरूम में सुस्ती है। जब पुरुष को अपने ही घर से वह प्यार, जोश और संतुष्टि नहीं मिलती, तो वह बाहर भटकने के लिए प्रेरित होता है। अगर पत्नी हर बार नहीं, तो कभी-कभी ही सही, अपनी इच्छा जाहिर करे, तो पति को इससे अद्भुत मानसिक संतुष्टि और खुशी मिलेगी। उसका अहंकार संतुष्ट होगा कि उसकी पत्नी उससे प्यार करती है और उसे चाहती है। अगर हर महिला अपने पति को अपने सच्चे प्यार, आकर्षक अंदाज और उत्साह से बांधकर रखे, तो कोई भी पुरुष उसे लुभाने के लिए बाहर नहीं जाएगा।



खुशहाल शादीशुदा ज़िंदगी के लिए सुनहरा मंत्र

शादीशुदा ज़िंदगी के रथ के दोनों पहिए बराबर होने चाहिए। शारीरिक और मानसिक संतुष्टि कोई पाप नहीं है, बल्कि एक मजबूत गॉंद है जो शादीशुदा ज़िंदगी को बनाए रखती है। महिला और पुरुष दोनों को एक-दूसरे की बारीकियों को समझना होगा। जब बेडरूम की चार दीवारों के बीच शर्म और झिझक की दीवार टूटती है, तभी प्यार का असली गुलाब खिलता है। अपने बीच कम हुए आकर्षण को फिर से जगाएं, शर्म छोड़ें और अपनी शादीशुदा ज़िंदगी को हमेशा के लिए खुशहाल और रोमांटिक बनाएं।

रोहिणी में ढही इमारत, मलबे से निकाले गए 4 लोग, 3 ने तोड़ा दम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। रोहिणी में 4 मंजिला इमारत गिरने का मामला सामने आया है. जानकारी के मुताबिक, बुधवार 8 जुलाई को शाम करीब 4:28 बजे केएनके मार्ग पुलिस स्टेशन को जी-4 पॉकेट, सेक्टर-16 रोहिणी में इमारत गिरने की सूचना पीसीआर कॉल के जरिए मिली. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और पाया कि जी-4/151-152, सेक्टर-16 रोहिणी में बनी नई इमारत पूरी तरह ढह गई थी और उसका मलबा सड़क पर फैला हुआ था. स्थानीय लोगों ने बताया कि इमारत में काम कर रहे कुछ मजदूर मलबे के नीचे दबे हो सकते हैं. एनडीआरएफ, डीएफएय, टीपीडीडीएल और अन्य नागरिक एजेंसियों को सूचना दी गई. पुलिस सहित सभी टीमों ने मिलकर बचाव अभियान शुरू किया. घायलों को BSA अस्पताल ले जाया गया, जहां राम (42) पुत्र राम किशन को मृत घोषित कर दिया गया. बचाव अभियान के दौरान सद्दाम उर्फ रवि नामक एक मजदूर को जिंदा बाहर निकाला गया. गिरी हुई इमारत के मलबे से दो और शव भी बरामद किए गए. जानकारी के अनुसार मृतकों में राम (42), राम दुआ (62) और काफी उर्फ नरूल (24) शामिल हैं. वहीं, सद्दाम (32) नामक मजदूर को जीवित बचा लिया गया है. बताया जा रहा है कि बचाव अभियान लगभग पूरा हो चुका है, हालांकि मलबा हटाने का काम अभी भी जारी है. बता दें, रैस्क्यू ऑपरेशन के दौरान टीमों ने मलबे में फंसे एक मजदूर से संपर्क स्थापित किया. सबसे पहले उसे पानी पहुंचाया गया. दिल्ली पुलिस ने पास के अस्पताल से ऑक्सिजन सिलेंडर मंगवाकर मलबे में फंसे व्यक्ति तक ऑक्सिजन पहुंचाने का काम किया, जिससे उसकी जान बचाई जा सके. रात में भी बचाव कार्य बिना किसी बाधा के जारी रहे, पुलिस ने मौके पर जनेरेटर और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की. इमारत गिरने के कारणों की जांच की जा रही है.

SRDC का बदला नाम, अब ‘इंद्रप्रस्थ विरासत पुनर्विकास निगम’ के रूप में संतरेगी Old Delhi

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सदियों पुरानी गलियां, ऐतिहासिक इमारतें, भीड़भाड़ वाले बाजार और अनीखी सांस्कृतिक पहचान वाली पुरानी दिल्ली अब एक नए नाम और नई सोच के साथ आगे बढ़ने जा रही है। दिल्ली सरकार ने इस ऐतिहासिक इलाके के संरक्षण और विकास से जुड़े शाहजहानाबाद रीडेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (SRDC) का नाम बदलकर ‘इंद्रप्रस्थ विरासत पुनर्विकास निगम’ (IVPN) कर दिया है। सरकार का कहना है कि यह बदलाव केवल नाम का नहीं, बल्कि दिल्ली की प्राचीन विरासत को नए नजरिए से आगे बढ़ाने का प्रयास है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार का संकल्प है, ‘विरासत की सुरक्षित, विकास भी तेज।’ उनके मुताबिक, पुरानी दिल्ली की ऐतिहासिक पहचान को संजोते हुए यहां आधुनिक सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य है कि इतिहास, संस्कृति और विकास के बीच बेहतर संतुलन बनाकर पुरानी दिल्ली को देश और दुनिया के पर्यटकों के लिए और अधिक आकर्षक बनाया जाए।

तया है इंद्रप्रस्थ विरासत पुनर्विकास निगम ?
इंद्रप्रस्थ विरासत पुनर्विकास निगम, जिसे पहले शाहजहानाबाद रीडेवलपमेंट कॉरपोरेशन कहा जाता था, पुरानी दिल्ली के संरक्षण और विकास के लिए बनाई गई सरकारी संस्था है। इसका काम ऐतिहासिक इमारतों, बाजारों और विरासत स्थलों को संवारने के साथ-साथ सड़क, पानी, सीवर और अन्य बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाना है।

नाम बदलने की वजह
सरकार का कहना है कि ‘इंद्रप्रस्थ’ दिल्ली की प्राचीन ऐतिहासिक पहचान से जुड़ा नाम है। नए नाम के जरिए राजधानी की सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक महत्व को अधिक प्रमुखता देने की कोशिश की गई है। इस प्रस्ताव को एसआरडीसी बोर्ड की बैठक में मंजूरी दी गई, जिसके बाद इसे आधिकारिक रूप दिया गया। विकास कार्यों पर रहेगा जोर सरकार ने साफ किया है कि नाम बदलने के साथ-साथ पुरानी दिल्ली में चल रहे विकास कार्यों को भी तेज किया जाएगा।

दिल्ली के रिज में चल रहे पौधरोपण पर विवाद, पर्यावरणविदों ने उठाए सवाल
अरावली की पारिस्थितिकी के अनुरूप प्रजातियों का वयन जरूरी है. केवल अधिक पौधे लगाने से प्राकृतिक संतुलन और रैव विविधता सुरक्षित नहीं रह पाएगी
महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। रिज में अगले चार सालों में एक करोड़ से अधिक पेड़ और झाड़ियां लगाने का काम शुरू हो गया है। हालांकि शुरू होते ही इस पर विवाद भी सामने आने लगे हैं। पर्यावरणविद् के अनुसार अरावली की इकोलॉजी को ध्यान में रखकर पेड़ नहीं लगाए जा रहे हैं। अरावली बचाओ आंदोलन से जुड़े दीपक सैनी ने बताया कि दिल्ली की रिज अरावली का हिस्सा है। यहां पर इतनी बड़ी संख्या में पौधरोपण के लिए रिज की इकोलॉजी को समझना जरूरी है। देसी प्रजातियों को चुनकर रिज में लगा देना काफी नहीं है। पौधरोपण के लिए प्रजातियों को उस खास पारिस्थितिकी तंत्र के अनुकूल भी होना चाहिए। पर्यावरणविदों के मुताबिक 2021 से 2025 के बीच सेंट्रल रिज में ढाक, कैर, चित्लबिल और अमलताश जैसी कुछ प्रजातियों के ही ऐसे पेड़ लगाए गए हैं जो अरावली रिज के प्राकृतिक शुष्क वन क्षेत्र का हिस्सा मानी जाती हैं। पर्यावरणविद और लेखक प्रदीप कृष्ण ने कहा कि नेटिव शब्द को एक समान श्रेणी में मानना भ्रामक है। आज के दौर में उकेदार का फोकस इस पर नहीं होता कि पौधे विशिष्ट पारिस्थितिकी तंत्र के लिए उपयुक्त हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के यमुना खादर या अन्य नम जलोढ़ क्षेत्र में उगने वाली प्रजातियों को रिज के लिए भी उपयुक्त मान लेना सही नहीं है। ग्रीन सॉल्यूशंस की पर्यावरण विशेषज्ञ डॉ ममता रावत ने कहा कि सरकार का मकसद यहां ग्रीन कवर् को बढ़ाना यह हम समझ सकते हैं लेकिन अरावली में पौधरोपण करते समय लक्ष्य अधिक पेड़ नहीं बल्कि अधिक पारिस्थितिक अखंडता होना चाहिए।

इंडियन रेलवे की ट्रेन में एसी बोगी को बना दिया ‘हनीमून ट्रैवल प्राइवेट लिमिटेड’, सीटीआई पर गिर गई गाज

मध्य रेलवे की नांदेड़ग्राम एक्सप्रेस के फर्स्ट एसी कोच में नवविवाहित जोड़े के लिए बिना अनुमति ‘हनीमून स्टाइल’ सजावट कराए जाने पर रेलवे ने सख्त कार्रवाई की। इयूटी पर मौजूद सीटीआई को निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो
मुंबई। मध्य रेलवे की बल्हारशाह-मुंबई नांदेड़ग्राम एक्सप्रेस के फर्स्ट एसी कोच में नवविवाहित दंपती के लिए ‘हनीमून स्टाइल’ सजावट किए जाने का मामला सामने आने के बाद रेलवे प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। इस मामले में ड्यूटी पर तैनात मुख्य टिकट निरीक्षक (सीटीआई) गिरीश कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। साथ ही पूरे मामले की विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

एसी कोच को ‘हनीमून स्टाइल’ में सजा दिया

जानकारी के अनुसार, 6 जुलाई 2026 को शुभम और सोनाली नामक नवविवाहित दंपती ने छत्रपति संभाजीनगर से जालना होते हुए मुंबई की यात्रा के लिए नांदेड़ग्राम एक्सप्रेस के फर्स्ट एसी कोच के ‘जी’ कूपे में बर्थ संख्या

ठगी करना इतना आसान है? मोबाइल ऐप बनाया, लोन का ऑफर दिया और कर दिया 200 करोड़ का खेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो
नागपुर। मोबाइल पर आया एक विज्ञापन... कुछ ही मिनटों में बिना कागजों के 15 हजार रुपये तक का लोन मिलने का दावा... और इसी के बाद ब्लैकमेलिंग का खेल शुरू होता था. ‘मस्त मनी’ नाम के एक मोबाइल ऐप ने देशभर में करीब 5 लाख लोगों को इसी जाल में फंसाया. नागपुर पुलिस का कहना है कि इस ऐप के जरिए करीब 200 करोड़ रुपये की ठगी की गई. इसी केस में भोपाल से एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को गिरफ्तार किया गया है. आजकल इंस्टेंट लोन देने वाले मोबाइल ऐप्स की भरमार है. जरूरत पड़ने पर लोग बिना ज्यादा सोचे-समझे इन्हें डाउनलोड कर लेते हैं. लेकिन कई बार यहीं जटिलबाजी लाखों रुपये का नुकसान और मानसिक प्रताड़ना की वजह बन जाती है. ऐसा ही मामला ‘मस्त मनी’ ऐप से जुड़ा सामने आया है. नागपुर पुलिस की साइबर सेल ने एक ऐसे गैंग का पर्दाफाश किया है, जिसने ऑनलाइन लोन के नाम पर देशभर में करीब 5 लाख लोगों से 200 करोड़ की ठगी करने का

आरोप है. इस मामले में पुलिस ने मध्य प्रदेश के भोपाल के रहने वाले कामिल सिद्दीकी को गिरफ्तार किया है. पुलिस के अनुसार, वह पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर है और शुरूआती जांच में सामने आया है कि उसी ने ऐप तैयार किया था. पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर इस ऐप का जमकर प्रचार किया जाता था. विज्ञापनों में दवा किया जाता था कि कुछ ही मिनटों में 15 हजार रुपये तक का इंस्टेंट लोन मिल जाएगा. आसान प्रॉसेस और तुरंत पैसे मिलने के लालच में बड़ी संख्या में लोगों ने ऐप डाउनलोड किया और लोन के लिए आवेदन द्र किया. यहीं से ठगी का खेल शुरू हो जाता था. जांच में सामने आया है कि ऐप इंस्टॉल करते ही पीड़ितों का मोबाइल का डेटा, कॉन्टैक्ट लिस्ट और

महाराष्ट्र विधानसभा में बारिश पर बहस, स्पीकर ने आदित्य ठाकरे से पूछा- तया आप कुदरत के कहर को काबू कर सकते हैं?

महानगर मेट्रो ब्यूरो
मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान री बारिश और उससे हुए नुकसान को लेकर सदन में जोरदार हंगामा देखने को मिला। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नावकर और शिवसेना (यूबीटी) के विधायक आदित्य ठाकरे के बीच तीखी बहस छिड़ गई। यह बहस हाल ही में हुई भारी बारिश और उससे हुए नुकसान को देवीय आपदा (ड्रुह्म भद्र तथस) कहा जा सकता है या नहीं, इस मुद्दे पर हुई। विपक्ष ने राज्य में बारिश से हुए नुकसान पर तत्काल चर्चा की मांग की, जबकि सत्ता पक्ष की ओर से गुरुवार को इस विषय पर अल्पकालिक चर्चा कराने का आश्वासन दिया गया। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला और सदन का माहौल काफी गर्म हो गया।

तिपक्ष ने उठाई यह मांग

दरअसल, विपक्ष का कहना था कि महाराष्ट्र के कई हिस्सों में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। ऐसे में यह मुद्दा सदन की सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए। विपक्षी सदस्यों ने चर्चा में हदसे पर आपत्ति

CM फडणवीस की भाषा पर भड़के राज ठाकरे, बोले- संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को ऐसी बातें शोभा नहीं देती

महानगर मेट्रो ब्यूरो
मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने मुंबई में आयोजित मनसे रेलवे कामगार सेना के स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान ‘मिसिंग लिंक’ मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर तीखा हमला बोला. उन्होंने विधानसभा में मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए बयानों पर पलटवार करते हुए कहा कि अगर सरकार से जरूरी सवाल पूछना राजनीति है तो विपक्ष में रहते हुए भारतीय जनता पार्टी द्वारा किए गए तमाम आंदोलन क्या राजनीति नहीं थे राज ठाकरे ने कहा कि मुख्यमंत्री विधानसभा में ‘मिसिंग लिंक’ पर राजनीति न करने और महाराष्ट्र का अपमान न करने की बात कहते हैं, लेकिन हदसे पर सवाल पूछने में राज्य का कोई अपमान नहीं है.

BJP ने ही शुरू किया तीखी भाषा का इस्तेमाल

उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि लोकतंत्र के अंदर देश की जनता को अपनी सरकार से सवाल पूछने का पूरा अधिकार है. राज ठाकरे ने आरोप लगाया



19 और 20 आरक्षित कराई थी। यात्रा को खास बनाने के लिए दंपती ने निजी तौर पर जालना के ‘राहत

अन्य जरूरी जानकारी गैंग के पास चली जाती थी.

इसके बाद लोगों को लोन तो दिया जाता था, लेकिन उसके बदले 15 हजार रुपये के लोन पर 25 हजार से 50 हजार रुपये तक की वसूली की जाती थी. अगर कोई पैसे देने से मना करता या देरी करता, तो उसे उसकी तस्वीरें, मोबाइल कॉन्टैक्ट और व्यक्तिगत जानकारी सोशल मीडिया पर वायरल करने या रिश्तेदारों और दोस्तों को भेजने की धमकी दी जाती थी. यानी यह सिर्फ ऊंचे ब्याज का मामला नहीं था, बल्कि डिजिटल ब्लैकमेलिंग का नेटवर्क था. नागपुर के दो लोगों ने साइबर पुलिस से शिकायत की कि लोन ऐप के नाम पर उनसे ठगी और ब्लैकमेलिंग की जा रही है. इन्हीं शिकायतों के आधार पर साइबर पुलिस ने जांच शुरू की. डिजिटल ट्रेल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सबूतों की मदद से पुलिस भोपाल तक पहुंची और वहां से आरोपी कामिल सिद्दीकी को अरेस्ट कर लिया. पुलिस का कहना है कि शुरूआती जांच में साफ हो गया है कि यह काम किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि एक गैंग का है. अब यह पता लगाया जा रहा है .

राम मंदिर दान चोरी का मुद्दा भी उठाया

आदित्य ठाकरे ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए मिले दान में कथित अनियमितताओं का मुद्दा भी उठाया, जिस पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने कड़ा विरोध किया। मुंबई समेत राज्य के अनेक जिलों में जलभराव, पेड़ गिरने, सड़क और रेल यातायात प्रभावित होने तथा कई स्थानों पर जनहानि की घटनाएं सामने आई हैं। ऐसे में बारिश से निपटने की सरकारी तैयारियों और पर्यावरण संरक्षण को लेकर राजनीतिक बहस और तेज हो गई है।

को इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करना बिल्कुल भी शोभा नहीं देता है. इसके साथ ही राज ठाकरे ने ये भी बड़ा सवाल उठाया कि जब ये सदन पूरी तरह महाराष्ट्र का है और वहां के अधिकांश विधायक मराठी भाषी हैं तो मुख्यमंत्री को अचानक विधानसभा में हिंदी में बोलने की क्या जरूरत पड़ी. अपने संबोधन के अंत में मनसे प्रमुख ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि इस वक्त बीजेपी के अंदर अंदरूनी खींचतान चल रही है और आने वाले वक्त में इसके और संकेत देखने को मिलेंगे.

डैकोरेटर’ से ऑनलाइन संपर्क कर कूपे की सजावट की व्यवस्था की। इसके बाद डैकोरेटर का एक प्रतिनिधि जालना स्टेशन पर बिना रेलवे की किसी आधिकारिक अनुमति के फर्स्ट एसी कोच में प्रवेश कर गया और कूपे को गुब्बारों, फूलों तथा अन्य सजावटी सामान से ‘हनीमून स्टाइल’ में सजा दिया। रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी निजी व्यक्ति का बिना अनुमति फर्स्ट एसी कोच में प्रवेश करना पूरी तरह नियमों के खिलाफ और गंभीर सुरक्षा उल्लंघन है। घटना सामने आने के बाद रेलवे ने ड्यूटी पर मौजूद सीटीआई गिरीश कुमार को तत्काल निलंबित कर दिया। साथ ही यह पता लगाने के लिए विभागीय जांच शुरू कर दी गई है कि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन कैसे हुआ। निजी व्यक्ति को कोच में प्रवेश किसने दिया और इस लापरवाही के लिए कौन-कौन जिम्मेदार है। रेलवे अधिकारियों ने कहा है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आगे की कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

महानगर मेट्रो ब्यूरो
मुंबई। मध्य रेलवे की बल्हारशाह-मुंबई नांदेड़ग्राम एक्सप्रेस के फर्स्ट एसी कोच में नवविवाहित जोड़े के लिए बिना अनुमति ‘हनीमून स्टाइल’ सजावट कराए जाने पर रेलवे ने सख्त कार्रवाई की। इयूटी पर मौजूद सीटीआई को निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं

डैकोरेटर’ से ऑनलाइन संपर्क कर कूपे की सजावट की व्यवस्था की। इसके बाद डैकोरेटर का एक प्रतिनिधि जालना स्टेशन पर बिना रेलवे की किसी आधिकारिक अनुमति के फर्स्ट एसी कोच में प्रवेश कर गया और कूपे को गुब्बारों, फूलों तथा अन्य सजावटी सामान से ‘हनीमून स्टाइल’ में सजा दिया। रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी निजी व्यक्ति का बिना अनुमति फर्स्ट एसी कोच में प्रवेश करना पूरी तरह नियमों के खिलाफ और गंभीर सुरक्षा उल्लंघन है। घटना सामने आने के बाद रेलवे ने ड्यूटी पर मौजूद सीटीआई गिरीश कुमार को तत्काल निलंबित कर दिया। साथ ही यह पता लगाने के लिए विभागीय जांच शुरू कर दी गई है कि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन कैसे हुआ। निजी व्यक्ति को कोच में प्रवेश किसने दिया और इस लापरवाही के लिए कौन-कौन जिम्मेदार है। रेलवे अधिकारियों ने कहा है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आगे की कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में पार्किंग ओवरचार्जिंग की मनमानी खत्म MCD खुद देगी POS मशीनें, सीधे सर्वर से तय होगा चार्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो
नई दिल्ली। MCD ने दिल्ली की पार्किंग साइट्स पर धड़ल्ले से चल रहे ओवरचार्जिंग के खेल को खत्म करने के लिए अनूठी पहल की है। MCD साइट्स को चलाने के लिए कॉन्ट्रैक्टर को अपनी POS मशीनें देगी। ये मशीनें MCD के सर्वर के साथ लिंक रहेगी। कॉन्ट्रैक्टर जब गाड़ी मालिक को पार्किंग स्लप जारी करेगा तो गाड़ी जितने घंटे पार्किंग में खड़ी रही, 20 रुपये घंटे के हिसाब से मशीन से स्लप जनेरेट हो जाएगी। क्योंकि पार्किंग स्लप MCD के सर्वर से ही जनेरेट होगी, इससे पार्किंग कॉन्ट्रैक्टर गाड़ी मालिक से निर्धारित पार्किंग चार्ज से ज्यादा धनराशि की वसूली नहीं कर पाएगा। ओवरचार्जिंग खत्म करने के लिए MCD कॉन्ट्रैक्टर को अपनी POS मशीनें देगी जल्द ही पार्किंग की पर्ची नहीं तो पैसा नहीं का सिस्टम होगा लागू

स्वर्ण खबर डेस्क
नई दिल्ली। MCD ने दिल्ली की पार्किंग साइट्स पर धड़ल्ले से चल रहे ओवरचार्जिंग के खेल को खत्म करने के लिए अनूठी पहल की है। MCD साइट्स को चलाने के लिए कॉन्ट्रैक्टर को अपनी POS मशीनें देगी। ये मशीनें MCD के सर्वर के साथ लिंक रहेगी। कॉन्ट्रैक्टर जब गाड़ी मालिक को पार्किंग स्लप जारी करेगा तो गाड़ी जितने घंटे पार्किंग में खड़ी रही, 20 रुपये घंटे के हिसाब से मशीन से स्लप जनेरेट हो जाएगी। क्योंकि पार्किंग स्लप MCD के सर्वर से ही जनेरेट होगी, इससे पार्किंग कॉन्ट्रैक्टर गाड़ी मालिक से निर्धारित पार्किंग चार्ज से ज्यादा धनराशि की वसूली नहीं कर पाएगा। ओवरचार्जिंग खत्म करने के लिए MCD कॉन्ट्रैक्टर को अपनी POS मशीनें देगी जल्द ही पार्किंग की पर्ची नहीं तो पैसा नहीं का सिस्टम होगा लागू

पहले चरण में 4-5 पार्किंग साइट्स पर होगी थुरुआत

MCD के एक टॉप अधिकारी ने बताया कि इसके लिए मॉल्टिनेशनल बैंक के साथ समझौता हो गया है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत पहले पहले चरण में 4-5 पार्किंग साइट्स पर नई व्यवस्था लागू की जाएगी। इसकी सफलता के बाद बाकी साइट्स पर भी इस व्यवस्था को लागू किया जाएगा।
स्छ्ठ के आरपी सेल विभाग ने अलग-अलग जोन में 37 पार्किंग साइट्स चिन्हित की है। करोल बाग जोन में चार, सिटी एस्प्री जोन में चार, रोहिणी जोन में तीन, नजफगढ़ जोन में छह, साउथ जोन में तीन, वेस्ट जोन में तीन, केशवपुरम, सिविल लाइन, सेंट्रल और शाहदरा साउथ जोन में एक एक पार्किंग सहित टोटल 37 पार्किंग साइट्स चिन्हित की गई हैं। पार्किंग साइट्स की टेंडर प्रक्रिया चल रही है। इन पार्किंग साइट्स पर लगभग 4000 गाड़ियों को पार्किंग की सुविधा मिलेगी। MCD के टॉप अधिकारी पिछले दिनों लाजपत नगर मार्केट गए थे। वहां जब कार पार्किंग में लगाई तो पार्किंग स्टाफ ने ओवरचार्ज किया था।

दिल्ली के नजफगढ़ ड्रेन की सफाई पर खर्च होंगे 3500 करोड़, ट्रीटमेंट प्लांट पर चल रहा काम

इन संयंत्रों के वनने से यमुना में विना ट्रीट सीवेज जाने से रोकने, प्रदूषण घटाने और पानी के बेहतर उपयोग में मदद मिलेगी।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सरकार नजफगढ़ ड्रेन के गंदे पानी को ट्रीट करने के लिए कुल 29 डिसेंट्रलाइज्ड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (डीएसटीपी) बनाने की योजना पर काम कर रही है। इनमें से 13 स्थानों पर डीएसटीपी निर्माण के लिए जल बोर्ड ने टेंडर जारी कर दिए हैं, जबकि बाकी 16 स्थानों पर टेंडर प्रक्रिया जारी है। डीएसटीपी के निर्माण पर करीब 3500 करोड़ रुपये से अधिक खर्च होने का अनुमान है। जल बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार, नजफगढ़ ड्रेन की कुल लंबाई करीब 57 किलोमीटर है अधिकारियों का कहना है कि यमुना में पहुंचने वाली गंदगी का आधा हिस्सा नजफगढ़ ड्रेन से आता है यदि ड्रेन के पानी को पूरी तरह ट्रीट कर यमुना में छोड़ा जाए तो काफी हद तक यमुना को साफ किया जा सकता है। 13 डीएसटीपी के निर्माण के लिए टेंडर जारी किए जा चुके हैं इन 13 स्थानों पर डीएसटीपी निर्माण के लिए 1043.36 करोड़ रुपये का बजट तैयार किया गया है। इसके अलावा, 16 अन्य जगहों पर भी डीएसटीपी निर्माण की योजना है, जिस पर करीब 2476 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है

स्टडी में सामने आया था, यमुना में प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण नजफगढ़ ड्रेन

कुल 29 डीएसटीपी बनाने की योजना पर काम कर रही है सरकार डीएसटीपी बनने से क्या होगा फायदा? अधिकारियों के मुताबिक, डिसेंट्रलाइज्ड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (डीएसटीपी) बनने के बाद नालों का गंदा पानी स्थानीय स्तर पर ही साफ किया जाएगा। इससे बिना ट्रीट किया हुआ सीवेज सीधे नजफगढ़ ड्रेन और यमुना में जाने से रोका जा सकेगा।



खाड़ी संकट गहराया, कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल

ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर के करीब, वैश्विक बाजारों पर भी असर मुंबई ।

मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के चलते कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर तेज उछाल देखने को मिल रहा है। 9 जुलाई को बेंट क्रूड की कीमतें 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई हैं। बाजार पर अमेरिका द्वारा ईरान पर नए सैन्य हमलों की चेतावनी और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में हुए तेल टैंकरों पर हमलों का सीधा असर दिखाई दे रहा है। निवेशकों की आशंका है कि अगर हालात और बिगड़े, तो वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, जिससे कीमतें और तेजी से बढ़ेंगी। इस बढ़ते तनाव का असर केवल कच्चे तेल तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया भर के शेयर बाजारों पर भी दिख रहा है। हालांकि, कई एक्सपर्ट्स का मानना है कि फिलहाल कच्चे तेल की कीमतों के 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर जाने का अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी। उनका कहना है कि वैश्विक तेल बाजार ने संकट के दौरान उम्मीद से बेहतर मजबूती दिखाई है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में शुरुआत में प्रतिदिन 2 करोड़ बैरल तेल की कमी का डर था, लेकिन वैकल्पिक सप्लाई रूट के कारण अब वास्तविक कमी लगभग 1.22 करोड़ बैरल प्रतिदिन रहने का अनुमान है।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट का मेगा आईपीओ 14 जुलाई से खुलेगा

कंपनी ने तय किया प्राइस बैंड, एसबीआई और एन्युटी बेचेगे हिस्सेदारी

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट (एसबीआई एफएम) अपना बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लेकर आ रही है। कंपनी ने इसके लिए प्राइस बैंड और अन्य महत्वपूर्ण तारीखों की घोषणा कर दी है, साथ ही रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी) पास अपना रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) भी दाखिल कर दिया है। यह आईपीओ 14 जुलाई से निवेशकों के लिए खुलेगा। स्ट्रेट बैंक इंडिया (एसबीआई) ने एक्सचेंज फाइलिंग में जानकारी दी है कि उसकी एसेट मैनेजमेंट कंपनी, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट, अपना आईपीओ ला रही है। कंपनी ने अपने आईपी ओ के लिए प्रति शेयर 545 से 574 रुपये का प्राइस बैंड निर्धारित किया है। खास बात यह है कि कंपनी अपने कर्मचारियों को प्रति शेयर 54 रुपये का विशेष डिस्काउंट भी प्रदान करेगी। निवेशकों को न्यूनतम 26 शेयरों के लिए बोली लगानी होगी, जिसके बाद वे 26 के गुणकों में आवेदन कर सकेंगे। यह आईपी ओ निवेशकों के लिए 14 जुलाई, मंगलवार को खुलेगा और 16 जुलाई, गुरुवार को बंद होगा। एंकर निवेशक 13 जुलाई को, यानी इश्यू खुलने से एक दिन पहले ही बोली लगा सकेंगे। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईपी) के लिए बोली लगाने की अंतिम तारीख भी 16 जुलाई ही रहेगी। कंपनी ने पहले की एक सूचना में क्यूआईपी के लिए 15 जुलाई की तारीख का उल्लेख किया था, जिसे अब सुधार कर 16 जुलाई कर दिया गया है। यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल है, जिसका अर्थ है कि कंपनी को इस इश्यू से कोई पूंजी नहीं मिलेगी।

टीसीएस नतीजों से पहले आईटी शेयरों में गिरावट

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को आईटी सेक्टर की शुरुआत कमजोर रही। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के जून तिमाही के नतीजे घोषित होने से पहले निवेशकों ने आईटी शेयरों में मुनाफावसूली की। इसके चलते निफ्टी आईटी सूचकांक सुबह के कारोबार में करीब 1.04 फीसदी गिर गया, जो 27,311.30 अंक पर कारोबार करता दिखा। प्रमुख आईटी शेयरों में गिरावट देखी गई, जिसमें इंफो रिस का शेयर करीब 1.78 फीसदी और खुद टीसीएस का शेयर 1.04 फीसदी टूटा। एचसीएल टेक में भी 0.81 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। बाजार की नजर पूरी तरह टीसीएस के नतीजों पर टिकी है, जो कारोबार बंद होने के बाद जारी होंगे। इन्हें नतीजों से पूरे सेक्टर के आउटलुक का अंदाजा लगाया जाता है। ब्रोकरेज फर्मों का मानना है कि टीसीएस के लिए जून तिमाही बहुत मजबूत नहीं रहने वाली है। आय में मामूली बढ़ोतरी या स्थिरता और कर्मचारियों की वेतन वृद्धि व कमजोर आईटी खर्च से मुनाफे के मार्जिन पर दबाव रह सकता है। जेएम फायनें सियल ने पश्चिम एशिया में तनाव और एआई से बढ़ते प्राइसिंग प्रेशर को देखते हुए वित्त वर्ष 2027 की धीमी शुरुआत की आशंका जताई है।

खाद्य तेलों की कीमतें बढ़ेंगीं रसोई बजट पर दोहरी मार

महंगे आयात और घरेलू उत्पादन में संभावित गिरावट से फिलहाल राहत की उम्मीद कम

मुंबई । आयातित खाद्य तेलों की लगातार बढ़ती कीमतों और कमजोर मानसून के कारण घरेलू तिलहन उत्पादन पर मंडराते खतरे के चलते आने वाले महीनों में रसोई का बजट और बढ़ सकता है। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक बाजार में महंगी खरीद और घरेलू उत्पादन में संभावित गिरावट के कारण उपभोक्ताओं को तत्काल राहत की संभावना नहीं है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के अनुसार सरसों, सोयाबीन और

पाम तेल की औसत खुदरा कीमतें पिछले वर्ष की तुलना में 10-12 प्रतिशत अधिक हैं। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्शन प्रोसेसिंग के मुताबिक बढ़ती परिवहन लागत, कमजोर रुपया और प्रमुख उत्पादक देशों द्वारा खाद्य तेल का बायोडीजल में बढ़ता उपयोग आयात लागत को बढ़ा रहा है। इंडोनेशिया का नया बी50 बायोडीजल कार्यक्रम वैश्विक बाजार में पाम तेल की उपलब्धता को और कम करेगा, जिससे कीमतें और बढ़ सकती हैं। वहीं इस वर्ष कमजोर और असमान

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ ही 95.50 पर बंद हुआ। रुपया गुरुवार के कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में चार पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.52 पर आ गया।

पश्चिम एशिया में फिर से तनाव उत्पन्न होने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल से वैश्विक स्तर पर निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई और वैश्विक व्यापार



को लेकर अनिश्चितताओं की आशंका बढ़ गई। हालांकि, घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख ने रुपये को समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.52 प्रति

डॉलर पर खुला जो उसके पिछले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट है।

रुपया बुधवार को 52 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.48 पर बंद हुआ

था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 फीसदी की गिरावट के साथ 100.98 पर रहा।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

संसेक्स 238, निफ्टी 81 अंक ऊपर आया

मुंबई । घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनियां भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। आज जहां प्रमुख सूचकांक हरे निशान पर खुले और पूरे दिन मजबूत बने रहे। हालांकि, कारोबारी सत्र के अंतिम पलों में थोड़ी बिकवाली देखने को मिली पर इसके बाद भी बाजार ने अपनी तेजी बरकरार रखी। दिन के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई संसेक्स 238 अंक उछलकर 76,741 के स्तर पर बंद हुआबंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 81 अंकों की मजबूती के साथ ही 23,962 के स्तर पर बंद हुआ, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल बना रहा। यह प्रदर्शन वैश्विक बाजारों से मिल रहे मिश्रित संकेतों के बावजूद भारतीय बाजार की आंतरिक मजबूती को दर्शाता है।



फिनसर्व में 2.17 फीसदी और इंटरग्लोब में 2.06 फीसदी की शानदार तेजी दर्ज की गई।

हालांकि, बाजार की इस समग्र तेजी के बीच, कुछ शेयरों को नुकसान भी उठाना पड़ा। निफ्टी 50 की कंपनियों में डॉ रेड्डीज सबसे अधिक प्रभावित हुआ, जिसमें 5.90 फीसदी की बड़ी गिरावट देखी गई। इसके बाद, इंफोसिस में 1.74 फीसदी, अंक इंग्रहिल में 2.28 फीसदी, बजाज

एनटीपीसी में 1.44 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जिसने बाजार के कुछ क्षेत्रों पर दबाव बनाया। इससे पहले आज सुबह के शुरुआती कारोबार में निफ्टी 50 भी 111.35 अंकों की बढ़त के साथ ही 23,993.40 के स्तर पर पहुंचा, जो जल्द ही 24,000 के मनोवैज्ञानिक आंकड़े के करीब पहुंच गया। वहीं संसेक्स भी 342 अंक बढ़कर 76,845.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को मिलेगी गति, प्रमुख कलपुर्जों पर सीमा शुल्क समाप्त

केंद्र सरकार ने डिस्के असेंबली, लिथियम-आयन सेल जैसे सामानों पर बीसीटी हटाई

नई दिल्ली ।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस. कृष्णन ने गुरुवार को सरकार के उस महत्वपूर्ण फैसले का स्वागत किया, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में उपयोग होने वाले प्रमुख कलपुर्जों पर बुनियादी सीमा शुल्क (बीसीडी) को समाप्त कर दिया गया है। कृष्णन ने इस कदम को देश की मूल्य श्रृंखला को और मजबूत बनाने तथा घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जों उद्योग को बढ़ावा देने वाला महत्वपूर्ण बदलाव करार दिया। एक कार्यक्रम से इतर बातचीत में सचिव कृष्णन ने बताया कि यह निर्णय उद्योग जगत की ओर से लगातार किए गए अनुरोधों का परिणाम है। वित्त मंत्रालय के समक्ष मामला उठाने के बाद अब इस संबंध में अधिसूचनाएं जारी हो चुकी हैं। उनका मानना है कि यह पहल विशेष रूप से देश के इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जों उद्योग के लिए एक बड़ी राहत और प्रोत्साहन होगी।

सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के व्यापक उद्देश्य से यह छूट प्रदान की है। इसके तहत डिस्के असेंबली, लिथियम-आयन सेल और इंडक्टर कांथल मॉड्यूल जैसे प्रमुख कलपुर्जों के उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले सामान पर बुनियादी सीमा शुल्क समाप्त कर दिया गया है।

तेल बाजार में विरोधाभास यूएस में कच्चे तेल का भंडार बढ़ा पर पेट्रोल-डीजल का घटा

पश्चिम एशिया में तनाव से कच्चे तेल में उछाल, डॉलर भी मजबूत



नई दिल्ली । अमेरिका के ऊर्जा बाजार से मिले नए आंकड़े मिले-जुले संकेत दे रहे हैं। जहां एक ओर कच्चे तेल का भंडार बढ़ा है, वहीं पेट्रोल और डीजल के स्टॉक में अप्रत्याशित गिरावट दर्ज की गई है। इसी बीच पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक तनाव ने कच्चे तेल की कीमतों और डॉलर दोनों को मजबूती दी है। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन (ईआईए) के अनुसार 3 जुलाई को समाप्त सप्ताह में कच्चे तेल का भंडार 29.98 लाख बैरल बढ़कर 41.13 करोड़ बैरल हो गया, जो 10 हफ्तों की गिरावट के बाद पहली बार बढ़ा है। हालांकि, बाजार की उम्मीदों के विपरीत, पेट्रोल का भंडार 19.04 लाख बैरल घटकर 21.21 करोड़ बैरल और डीजल का स्टॉक 49.8 लाख बैरल घटकर 10.36 करोड़ बैरल पर आ गया। शुद्ध आयात में वृद्धि ने कच्चे तेल के भंडार को बढ़ाया। इन विरोधाभासी आंकड़ों

के बावजूद गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में करीब 1 फीसदी की तेजी देखी गई। बेंट क्रूड 78.81 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 74.26 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। यह तेजी पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव (अमेरिका-ईरान सैन्य कार्रवाई की पुष्टि), आपूर्ति अनिश्चितता और महंगाई की चिंताओं का परिणाम है। तनाव बढ़ने से डॉलर इंडेक्स भी 101 के करीब मजबूत हुआ है, क्योंकि निवेशक सुरक्षित निवेश की ओर रुख कर रहे हैं।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें वैश्विक महंगाई की चिंताओं को बढ़ा रही हैं, जिससे अमेरिकी फेडरल रिजर्व पर ब्याज दरों में जल्द कटौती न करने का दबाव बढ़ा है। बाजार 2026 तक फेड की ओर से एक बार ब्याज दर बढ़ने की संभावना देख रहा है। निवेशक अब अमेरिका के बेरोजगारी दावों और हार्डिंग डेटा पर नजर बनाए हुए हैं।

फोर्ड ने कोयंबतूर में खोला तीसरा वैश्विक केंद्र, भारत में तकनीक और डेटा पर जोर

600 से अधिक कर्मचारियों के साथ यह कार्यालय वैश्विक परिचालन मजबूत करेगा

नई दिल्ली ।

अमेरिका की फोर्ड मोटर कंपनी की सहायक इकाई फोर्ड बिजनेस सॉल्यूशंस (एफबीएस) ने भारत में अपने तीसरे वैश्विक क्षमता केंद्र का कोयंबतूर में उद्घाटन किया है। यह नया केंद्र फोर्ड के वैश्विक परिचालन को मजबूत करेगा और चेन्नई स्थित एफबीएस केंद्र के लिए एक समर्पित बिजनेस कंटीन्यूटी केंद्र (बीसीसी) के तौर पर काम करेगा, जो वैश्विक लेखांकन, क्रेडिट और कारोबारी परिचालन टीमों को सेवाएं देगा। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, भविष्य में भारत में फोर्ड की लगभग 50 फीसदी वृद्धि तकनीक, डेटा साइंस और डेटा एनालिटिक्स के क्षेत्रों से आएगी। कोयंबतूर केंद्र में शुरुआती चरण में 600 से अधिक कर्मचारियों सहित करीब 800 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। यह एसवीबी टेक पार्क में 82,000 वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र में तीन मंजिलों में फैला है। एफबीएस इंडिया की प्रमुख और प्रबंध निदेशक गंगाप्रिया चक्रवर्ती ने कहा, यह केंद्र हमारी बिजनेस कंटीन्यूटी रणनीति का अहम हिस्सा है, जो मौसम या अन्य कारणों से चेन्नई के कामकाज प्रभावित होने पर भी वैश्विक बाजारों को निबांध सेवाएं सुनिश्चित करेगा। अगस्त 2022 में फोर्ड द्वारा भारत में अपने विनिर्माण संयंत्र बंद करने के बावजूद, एफबीएस इंडिया में फिलहाल 12,000 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। चेन्नई का र्लोबल टेक्नोलॉजी एंड बिजनेस सेंटर फोर्ड के वैश्विक सफल मॉडलों के डिजाइन व विकास में महत्वपूर्ण रहा है, जबकि बेंगलुरु में भी एक तकनीकी इनक्यूबेशन सेंटर है। कोयंबतूर कार्यालय को सहयोगात्मक और हार्डबिड कार्य प्रणाली के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें 230 से अधिक वर्कस्टेशन, मीटिंग रूम और फोकस रूम जैसी आधुनिक सुविधाएं हैं।

सरकार ने किया काम, अब उद्योग की बारी, सीईए का एआई चुनौती पर जोर

एआई से निपटने को कौशल और नवाचार में निवेश जरूरी

नई दिल्ली ।

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने गुरुवार को उद्योगों से कृत्रिम मेधा (एआई) से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए कौशल विकास, क्षमता निर्माण और नवाचार में निवेश करने का आग्रह किया। सीआईआई जीसीसी शिखर सम्मेलन में बोलते हुए, उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार ने बजट में वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) को समर्थन देकर अपना काम कर

दिया है, अब उद्योग की बारी है। नागेश्वरन ने बताया कि केंद्रीय बजट में जीसीसी के लिए ट्रान्सफर प्राइसिंग सेफ हार्बर व्यवस्था को सरल बनाकर और छोटे शहरों तक विस्तार को प्रोत्साहित कर सरकार ने उद्योग की लंबे समय से लंबित मांग पूरी की है। हालांकि, उन्होंने जोर दिया कि एआई ने पुराने कारोबारी मॉडल को चुनौती दी है, जिससे नियमित और दोहराए जाने वाले कार्य प्रभावित होंगे। उन्होंने आगाह किया कि केवल कम लागत पर आधारित मॉडल जोखिम

में हैं, और उद्योगों को लागत-आधारित मॉडल से क्षमता-आधारित मॉडल तथा निष्पादन से नवाचार की ओर बढ़ना होगा। सीईए ने उद्योगों से क्षमता निर्माण और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह करते हुए कहा कि सरकार रनवे तैयार कर सकती है, लेकिन विमान नहीं उड़ा सकती। उन्होंने चेतावनी दी कि सफलता से आत्मसंतोष नहीं होना चाहिए, क्योंकि प्रतिस्पर्धी देश अपनी क्षमताएं बढ़ा रहे हैं, लागत बढ़ रही है और कुशल प्रतिभा की



उपलब्धता लगातार चुनौतीपूर्ण होती जा रही है। भारत की दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त इसी पर निर्भर करेगी कि वह एआई के लिए स्वयं को कितना तैयार करता है।

देश के आठ शहरों में प्रीमियम घरों का दबदबा किरायायती खंड पिछड़ा

जनवरी-जून 2026 में 8 शहरों में कुल बिक्री मामूली बढ़कर 1.71 लाख इकाई



नई दिल्ली । रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी नाइट फैंक इंडिया की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार देश के आठ प्रमुख शहरों में जनवरी-जून 2026 की अवधि में आवासीय बिक्री में 0.7 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज की गई, जो 1.71 लाख इकाई तक पहुंच गई। इस अवधि में प्रीमियम मकानों की मांग में उल्लेखनीय उछाल देखा गया, जिनकी कुल बिक्री में 54 प्रतिशत की प्रभावशाली हिस्सेदारी रही। नाइट फैंक इंडिया द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक कुल बिक्री 1,71,471 इकाई रही, जो पिछले साल की 1,70,201 इकाई से मामूली अधिक है। इस वृद्धि में एक करोड़ रुपये से अधिक कीमत वाले मकानों की मुख्य भूमिका रही। वहीं, किरायायती (50 लाख रुपये से कम) मकानों की बिक्री 15 प्रतिशत घटकर 32,063 इकाई (कुल

बिक्री का 19 फीसदी) रह गई, जबकि मध्यम आय वर्ग (50 लाख से 1 करोड़ रुपये) के मकानों की बिक्री पांच प्रतिशत घटकर 46,490 इकाई (कुल बिक्री का 27 फीसदी) रही। आठ शहरों में से दिल्ली-पनसीआर को छोड़कर सभी जगह आवास बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई, जहां सालाना आधार पर सात प्रतिशत की गिरावट आई।

इस वर्ष की पहली छमाही में नए आवासों की पेशकश चार प्रतिशत बढ़कर 1,87,350 इकाई हो गई। नाइट फैंक इंडिया ने कहा कि बाजार के बुनियादी कारक मजबूत हैं। उन्होंने बताया कि घरेलू आय में वृद्धि, खरीदारों की बदलती आकांक्षाएं और गृह स्वामित्व में बढ़ता विश्वास प्रीमियम खंड को बल दे रहा है। शहरीकरण, बुनियादी ढांचा निवेश व स्थिर आर्थिक माहौल आवासीय बाजार को निरंतर सहारा दे रहे हैं।

एडीबी ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर किया 6.6 प्रतिशत

मुद्रास्फीति भी बढ़ी फिर भी भारत सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली । एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण ऊर्जा कीमतों में संभावित उछाल को देखते हुए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को घटा दिया है। एडीबी ने गुरुवार को जारी अपनी एशियाई विकास परिदृश्य रिपोर्ट में चालू

वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। हालांकि, इस कटौती के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊर्जा की ऊंची कीमतों से वास्तविक आय पर पड़ने वाले दबाव के कारण यह संशोधन

किया गया है। इसके विपरीत, वित्त वर्ष 2027-28 के लिए वृद्धि दर का अनुमान 7.3 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है। एडीबी ने 2026-27 के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान भी बढ़ा दिया है, जो अप्रैल के 4.5 प्रतिशत से बढ़कर अब 5.2 प्रतिशत हो गया है। 2027-28 के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान चार प्रतिशत पर स्थिर रखा गया है। यह ध्यान रखना

महत्वपूर्ण है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भी पिछले महीने 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अपना अनुमान 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत किया था। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) ने भी 2026-27 के लिए भारत की वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो पहले के 6.5 प्रतिशत से कम है।



अपनी बायोपिक का पहला पोस्टर लॉन्च होने पर बोले गांगुली

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने बुधवार को अपने 54वें जन्मदिन पर अपनी बायोपिक, 'दादा: द सौरव गांगुली स्टोरी' के फर्स्ट-लुक पोस्टर के लॉन्च को 'अब तक का सबसे अच्छा बर्थडे गिफ्ट' बताया। नेशनल अवॉर्ड विजेता एक्टर राजकुमार राव स्टारर यह फिल्म अगले साल 14 मई को थिएटर में रिलीज होगी। पोस्टर लॉन्च के बाद अपने पहले रिएक्शन में गांगुली ने कहा कि इस मौके ने उनके जन्मदिन को और भी खास बना दिया। उन्होंने कहा, 'जन्मदिन हमेशा खास होते हैं और आज मेरी बायोपिक 'दादा - द सौरव गांगुली स्टोरी' का फर्स्ट लुक रिलीज होने से यह और भी यादगार बन गया है। यह सच में अब तक का सबसे अच्छा बर्थडे गिफ्ट है।' पूर्व कप्तान ने कहा कि

'यह अब तक का सबसे अच्छा बर्थडे गिफ्ट'

फिल्म का यह पोस्टर उन्हें उनके क्रिकेट करियर के सबसे यादगार और अहम पलों में से एक की याद दिलाता है। उन्होंने राजकुमार राव पर भरोसा जताते हुए कहा कि अभिनेता ने उनके जीवन और संघर्ष को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ पढ़ें पर उतारा है। उन्होंने कहा, 'यह पोस्टर मुझे मेरे क्रिकेट सफर के एक बेहद खास पल में वापस ले जाता है। राजकुमार ने इस किरदार को पूरी ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ निभाया है। मुझे भरोसा है कि वह मेरी कहानी को दर्शकों तक बेहतरीन तरीके से पहुंचाएंगे।'

फिल्म के निर्माताओं को अपनी शुभकामनाएं देते हुए गांगुली ने उम्मीद जताई कि जब यह बायोपिक अगले साल सिनेमाघरों में आएगी, तो दर्शक बड़ी



संख्या में इसे देखने आएंगे। उन्होंने कहा, 'मैं उन्हें और पूरी टीम को शुभकामनाएं देता हूँ और उम्मीद करता हूँ कि फैंस 14 मई 2027 को बड़े पर्दे पर फिल्म का आनंद लेंगे।'

गांगुली के जन्मदिन के मौके पर जारी किए गए फिल्म के फर्स्ट-लुक पोस्टर में अभिनेता राजकुमार राव भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे यादगार पलों में से एक को दोबारा जीवंत करते नजर आते हैं। पोस्टर में वह लॉर्ड्स की बालकनी में शर्ट उतारकर खड़े हैं, ठीक उसी अंदाज में जैसे सौरव गांगुली ने 2002 नेटवेस्ट ट्रांफी फाइनल में भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद जश्न मनाया था। पोस्टर की पृष्ठभूमि में लहराता विशाल तिरंगा इस ऐतिहासिक पल को और भी भव्य बना रहा है।

चित्रा के. सोमन

कड़ी मेहनत से बनाई पहचान



कॉमनवेल्थ गेम्स में जीता सिल्वर मेडल

ग्रांडप्रिक्स में भी लहराया परचम

नई दिल्ली। कुछ खिलाड़ियों में टैलेंट कटू-कटूकर भरा होता है, तो कुछ खिलाड़ी कड़ी मेहनत के दम पर अपनी पहचान बनाते हैं। ऐसी ही खिलाड़ी रहीं चित्रा.के.सोमन, जिन्होंने अपनी मेहनत के दम पर 400 मीटर की दौड़ में देश का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन किया। चित्रा का जन्म 10 जुलाई, 1983 को केरल के कोट्टायम में हुआ। चित्रा को शुरुआत से ही दौड़ने का काफी शौक था। वह स्कूल स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती थीं। जल्द ही उनकी काबिलियत को कोच ने पहचाना और चित्रा ने बतौर धावक करियर बनाने का फैसला कर लिया। साधारण परिवार में जन्मी चित्रा ने अपनी लगन और कड़ी मेहनत के दम पर सफलता की सीढ़ियां चढ़ती चली गईं। साल 2004 में हुए एथेंस ओलंपिक में 4×400 मीटर रिले स्पर्धा में चित्रा ने हिस्सा लिया और वह सातवें स्थान पर रहीं। टीम स्पर्धा में उन्होंने मंजीत कौर, के.एम.बीनामोल और राजविंदर कौर के साथ मिलकर 4×400 मीटर रिले में नेशनल रिकॉर्ड बनाया। टीम की साथी खिलाड़ियों संग मिलकर उन्होंने यह रिले 3:26.89 मिनट में पूरी की। इस प्रदर्शन ने विश्व स्तर पर उनकी पहचान दिलाने का काम किया। साल 2006 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में चित्रा का प्रदर्शन लाजवाब रहा और वह सिल्वर मेडल जीतने वाली रिले टीम का हिस्सा रहीं।

इसके बाद, साल 2007 में हुई एशियाई ग्रांड प्रिक्स में भी चित्रा का जलवा देखने को मिला। उन्होंने 400 मीटर की दौड़ में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। 400 मीटर की दौड़ को चित्रा ने 51.30 सेकंड में पूरा किया, जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी रहा। साल 2007 में चित्रा को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए भारतीय सरकार द्वारा 'अर्जुन पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। चित्रा ने उस दौर में इस खेल में अपनी पहचान बनाई, जब काफी सीमित साधन हुआ करते थे। वह उन तमाम महिलाओं के लिए प्रेरणा बनीं, जो छोटे शहर से आकर अपने खेल के दम पर विश्व में पहचान बनाने की इच्छा रखती हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे टीम घोषित

शुम्बा और न्यूमैन न्यामहुरी को मौका

हरारे। बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली 3 टी20 मैचों की घरेलू सीरीज के लिए जिम्बाब्वे क्रिकेट ने बुधवार को 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। टीम की कप्तान सिकंदर राजा के हाथ में है। इस टीम में ज्यादातर वही खिलाड़ी हैं जो टी20 विश्व कप 2026 में जिम्बाब्वे को सुपर-8 तक पहुंचाने वाले कैप्टन का हिस्सा रहे थे। हरारे में चल रही वनडे सीरीज समाप्त होने के बाद 15, 17 और 19 जुलाई को बुलावायो में 3 टी20 मैच खेले जाएंगे हैं। टीम में दो



बदलाव हुए हैं। युवा तेज गेंदबाज न्यूमैन न्यामहुरी और बल्लेबाज मिल्टन शुम्बा को शामिल किया गया है। न्यामहुरी ने टी20 फॉर्मेट में अभी तक डेब्यू नहीं किया है। शुम्बा ऑस्ट्रेलिया में 2022 टी20 विश्व कप के बाद पहली बार टी20 टीम में लौटे हैं। बल्लेबाज बेन कुरेन, जिन्हें इस साल की शुरुआत में ब्रेडन टेलर की चोट के बाद टी20 विश्व कप टीम में शामिल किया गया था, ने अपनी जगह बरकरार रखी है। ग्रेम क्रैमर बाएं हाथ में इंगरी की वजह से चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे।

चयनकर्ता संयोजक डेविड मुटेडेरा ने कहा कि टीम का चयन करते समय निरंतरता पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया गया था। उन्होंने कहा, 'टी20 विश्व कप ने दिखाया कि यह गुप कया करने में काबिल है, इसलिए निरंतरता हमारे लिए एक जरूरी बात थी। हम सुपर आठ तक पहुंचने वाली टीम के कोर को एक साथ रखना चाहते थे, साथ ही उन खिलाड़ियों के लिए भी जगह बनाना चाहते थे जिन्होंने अपने प्रदर्शन से अपने लिए मौके बनाए हैं। यह सीरीज टीम को आगे बढ़ने का एक और मौका देती है क्योंकि हम आगे के बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की तैयारी कर रहे हैं।'

जिम्बाब्वे टीम

सिकंदर राजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, बेन कुरेन, ब्रैड इवार्स, क्लाइव मंडाडे, टिनोटेन्डा मापोसा, तदिवानाशे मारुमानी, वेलिंगटन मसाकादजा, ताशिगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजराबानी, डियोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा, न्यूमैन न्यामहुरी, मिल्टन शुम्बा।

लॉर्ड्स में महिलाओं का टेस्ट मैच एक शानदार मौका

इसका बेसब्री से इंतजार है: भारतीय कोच मजूमदार

लंदन। भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच 10 जुलाई से लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर इकलौता टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस खास मौके पर खुशी जाहिर करते हुए भारतीय हेड कोच अमोल मजूमदार ने बुधवार को कहा कि 'होम ऑफ क्रिकेट' में टेस्ट मैच खेलना किसी भी भारतीय क्रिकेटर का सबसे बड़ा सपना होता है। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में मजूमदार ने कहा, 'यह सोचकर ही हैरानी होती है कि लॉर्ड्स में यह पहला टेस्ट मैच (विमेंस) है। इसके बावजूद, मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूँ। मैं इस आयोजन से जुड़े सभी लोगों को शुभकामनाएं देना चाहता हूँ। यह एक शानदार मौका है और हम इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। किसी भी भारतीय क्रिकेटर के लिए टेस्ट मैच खेलना ही एक सपना होता है, फिर लॉर्ड्स में खेलने की बात ही अलग है। मुझे यकीन है कि इस मुकाबले में जो भी खिलाड़ी सफेद जर्सी पहनकर मैदान पर उतरेंगे, उन्हें लॉर्ड्स में टेस्ट मैच खेलने पर गर्व होगा।' उन्होंने कहा, 'हमने ड्रेसिंग रूम में हमेशा यही बात कही है। पारंपरिक रूप से हमने टेस्ट मुकाबलों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले ही हर कोई लॉर्ड्स में होने वाले टेस्ट मैच के बारे में बात कर रहा था। अब वह समय आ गया है, इसलिए खिलाड़ी निश्चित रूप से इसे लेकर उत्साहित होंगे।'

भारत ने विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन किया। लीग स्टेज से बाहर होने के बाद भारतीय टीम इंग्लैंड के विरुद्ध इस टेस्ट मैच में उतरेगी। मजूमदार ने स्वीकार किया है कि हालांकि प्रदर्शन 'मिला-जुला'



रहा, लेकिन टीम ने सफलतापूर्वक अपना ध्यान सबसे लंबे फॉर्मेट पर लगा लिया है।

उन्होंने कहा, 'सच कहूँ तो, यह मिला-जुला रहा है। हमें हार से उबरना था। हम निश्चित रूप से निराश थे। हमारा वर्ल्ड कप बहुत अच्छा नहीं रहा, लेकिन इसके बावजूद, टीम का जज्बा सामने आना जरूरी था और हमें उस दौर से बाहर निकलकर जल्द ही टेस्ट मैच की तैयारी में जुटना था। मुझे लगता है कि हम ऐसा करने में कामयाब रहें हैं। हमने वर्मसले क्रिकेट क्लब में तैयारी के पांच बहुत अच्छे दिन बिताए। यह एक खूबसूरत मैदान है और तैयारी के लिए एकदम सही जगह है और फिर यहां लॉर्ड्स में भी। हमारी तैयारी अच्छी रही है।'

टैमी ब्यूमोंट भारत के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लेंगी संन्यास

लंदन। इंग्लैंड की अनुभवी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। टैमी भारत के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले जाने वाले मुकाबले के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहेंगी।

टैमी अपने 17 साल के शानदार करियर का अंत इस मशहूर मैदान पर टेस्ट मैच के साथ करेंगी, जिसकी शुरुआत 10 जुलाई से होगी। नवंबर 2009 में अपने अंतरराष्ट्रीय सफर की शुरुआत करने वाली टैमी ने इंग्लैंड के लिए सभी फॉर्मेट में कुल 260 मैच खेले, जिसमें 7,325 रन बनाए। टैमी वनडे फॉर्मेट में इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक 12 शतक लगाने वाली महिला खिलाड़ी हैं, जो साल 2017 में घरेलू मैदान पर इंग्लैंड की ऐतिहासिक महिला वनडे वर्ल्ड कप जीत की मुख्य सूत्रधार थीं। उस टूर्नामेंट में टैमी ने सर्वाधिक 410 रन बनाए, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की तरफ से जारी एक बयान में टैमी ने कहा, 'करीब 17 साल तक इंग्लैंड के लिए खेलना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान रहा है। जब छोटी उम्र में क्रिकेट खेलने का शौक जगा, तब मुझे शायद ही पता था कि इंग्लैंड के

लिए क्रिकेट खेलना भी एक विकल्प हो सकता है। यह सोचकर मुझे बहुत खुशी होती है कि कितनी लड़कियां और लड़के इससे प्रेरित हुए हैं। हम हमेशा अगली पीढ़ी के लिए इस विरासत को आगे बढ़ाना चाहते थे, और अब मेरे लिए यह मौका आ गया है कि मैं इंग्लैंड के

खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को यह जिम्मेदारी सौंप दूँ। लॉर्ड्स में होने वाला यह टेस्ट मैच, जो लॉर्ड्स में महिलाओं का पहला टेस्ट है, मेरे करियर को अलविदा कहने का सबसे सही मौका है। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मेरा करियर इतना शानदार होगा। 35 वर्षीय टैमी इंग्लैंड की उन दो महिला खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्होंने खेल के तीनों फॉर्मेट में शतक लगाया है। टैमी टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाली पहली इंग्लिश महिला खिलाड़ी हैं, जिन्होंने साल 2023 में विमेंस एशेज के दौरान ट्रेंट ब्रिज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 208 रन बनाए थे। टैमी ब्यूमोंट ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि वह घरेलू क्रिकेट में 'द ब्लेज' और 'द इंड्रेड' में 'बर्मिंघम फीनिक्स' के लिए खेलना जारी रखेंगी। उन्होंने कहा, 'मैं घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रखूंगी, लेकिन अपने शानदार सपोर्ट के लिए सभी फैंस का शुक्रिया अदा करना चाहती हूँ।'



फीफा विश्व कप: मोरक्को को झटका

फॉरवर्ड सैबारी फ्रांस के खिलाफ क्वार्टर-फाइनल से हुए बाहर

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर-फाइनल में फ्रांस जैसी मजबूत टीम के खिलाफ मुकाबले से पहले मोरक्को को बड़ा झटका लगा है। उनके मुख्य फॉरवर्ड इस्माइल सैबारी चोट के कारण इस अहम मैच से बाहर हो गए हैं। मोरक्को के हेड कोच मोहम्मद ओआबी ने गुरुवार को मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में सैबारी के बाहर होने की पुष्टि की। ओआबी के अनुसार, कनाडा के खिलाफ राउंड ऑफ 16 की जीत के दौरान हेमिस्ट्रॉफ की चोट लगने के बाद यह फॉरवर्ड समय पर ठीक नहीं हो सका। हालांकि, कोच को उम्मीद है कि अगर उनकी टीम सेमीफाइनल में पहुंचती है, तो 25 वर्षीय खिलाड़ी फिट हो जाएंगे। मैच से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ओआबी ने कहा, 'वह तैयार नहीं हैं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह उनके लिए टूर्नामेंट का अंत नहीं है।'

सैबारी मौजूदा टूर्नामेंट में अफ्रीकी टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने ग्रुप स्टेज के तीनों मैचों में गोल किए और राउंड ऑफ 32 में नीदरलैंड के खिलाफ निर्णायक



शूटआउट में पेनल्टी को गोल में बदला। उनकी अनुपस्थिति के कारण मोरक्को को 2022 वर्ल्ड कप की उपविजेता टीम के खिलाफ अधिक रक्षात्मक रणनीति अपनानी पड़ सकती है।

फीफा ने फ्रांस और मोरक्को के बीच क्वार्टर-फाइनल मुकाबले के लिए पूरी तरह से अर्जेंटीना के अधिकारियों की टीम नियुक्त करके एक बड़ी बहस छेड़ दी है। 2026 टूर्नामेंट में यह पहली बार है जब किसी मैच का संचालन पूरी तरह से एक ही देश के अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। हालांकि, मोरक्को के कोच ने अधिकारियों के प्रभाव को कम करके आंका है।

मैच से पहले अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में रेफरी के बारे में उन्होंने कहा, 'हम एक बहुत अनुभवी रेफरी की बात कर रहे हैं। हम यही चाहते हैं। हम इस तरह के मैचों के लिए अनुभवी रेफरी चाहते हैं। इसलिए हम बहुत शांत हैं। नीदरलैंड्स का सामना करने से पहले हमारे मैच में एक डच रेफरी था और उसने बहुत अच्छा काम किया था।

दक्षिण चीन में बाढ़ का कहर : छह की मौत, 11 लापता, लाखों लोग प्रभावित

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिण चीन के गुआंगशी जुआंग स्वायत्त क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ में मंगलवार शाम तक छह लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 11 लोग अब भी लापता हैं। समाचार एजेंसी स?न्हुआ के मुताबिक, टाइफून मेसाक की वजह से हुई भारी बारिश से गुआंगशी में करीब 3.75 लाख लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि 1.30 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। गुआंशी में राहत और बचाव का काम तेजी से जारी है। खोज और बचाव अभियान के लिए 8,000 से ज्यादा कर्मियों, 1,700 से अधिक वाहनों और 5,700 नावों को लगाया गया है। इसके साथ ही खतरनाक जगहों को सुरक्षित बनाने का काम भी चल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, इलाके के कई हिस्सों में अगले तीन दिनों तक भारी बारिश होने की संभावना है। फिन्हाल क्षेत्र के 341 जलाशयों में पानी खतरे के निशान से ऊपर है। वहीं, 41 नदियों के 56 निगरानी केंद्रों पर भी पानी का स्तर चेतावनी सीमा से ऊपर दर्ज किया गया है। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि वह लोगों को समय रहते चेतावनी देंगे, जरूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और बाढ़ के बाद राहत व पुनर्वास के काम को और मजबूत करेगा।

अच्छी इंसान होकर भी मेलोनी ने गलती की, खराब हो गए रिश्ते : डोनाल्ड ट्रंप

अंकारा, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि डटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने ईरान से जुड़े सैन्य अभियान में अमेरिका का साथ न देकर ‘गलती’ की। इस फैसले की वजह से दोनों देशों के रिश्तों में खटास आ गई। ?उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) शिखर सम्मेलन से पहले अंकारा में तुर्की के राष्ट्रपति रसेप तैयप एर्दोगन के साथ बैठक से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट और ईरान से जुड़े मामले में डटली के सहयोग से इनकार करने के बाद मेलोनी के साथ उनके रिश्ते ‘ थोड़े खराब हो गए ।’ जब ट्रंप से सोशल मीडिया पर मेलोनी को लेकर की गई एक हालिया पोस्ट के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, ‘ मुझे लगता है कि वह अच्छी इंसान हैं।’ उन्होंने कहा, ‘ पहले हमारे रिश्ते अच्छे थे, लेकिन फिर थोड़े खराब हो गए क्योंकि उन्होंने हमारी मदद करने से मना कर दिया। मैंने उन पर ज्यादा दबाव नहीं डाला था, लेकिन उन्होंने होर्मुज स्ेट के मामले में ये यह कहें कि ईरान के युद्ध पर, शामिल होने से इनकार कर दिया।’ ट्रंप ने कहा कि डटली के इस फैसले का असर उनके रिश्तों पर पड़ा, हालांकि उन्होंने मेलोनी की तारीफ भी की। उन्होंने कहा, ‘इससे मेरे और उनके रिश्ते में थोड़ी खटास आ गई। लेकिन, मैं उन्हें पसंद करता हूं, मुझे लगता है कि वह अच्छी इंसान हैं, लेकिन उन्होंने गलती की।’ राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यूरोपीय देशों का होर्मुज स्ट्रेट में स्थिरता बनाए रखने में सीधा हित है क्योंकि वे मध्य पूर्व से आने वाले तेल पर काफी हद तक निर्भर हैं। उन्होंने कहा, ‘ उन्हें अपना बहुत सारा तेल वहीं से मिलता है।।हमें वहां से तेल की जरूरत नहीं है।अमेरिका के पास बहुत ज्यादा तेल है, बल्कि दुनिया में सबसे ज्यादा तेल हमारे पास है।

ईरानी संसद के स्पीकर की दो-टूक, अब धौंस जमाने और जबरन वसूली का दौर नहीं; अमेरिका पर वया आरोप लगाए ?

तेहरान, एजेंसी। क्षेत्रीय तनाव बढ़ने के बीच, ईरान के शीर्ष वार्ताकार और संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने वाशिंगटन पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से द्विपक्षीय समझौतों के कई उल्लंघनों का विस्तृत विवरण दिया है।।एसएस पोस्ट में, वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने अमेरिकी प्रशासन की ओर से किए गए समझौता ज्ञापन के कई प्रमुख उल्लंघनों को गिनाया, जो दोनों देशों के बीच राजनयिक प्रतिबद्धताओं में गंभीर दरार का संकेत देता है।।संसद अध्यक्ष के अनुसार, इन अमेरिकी कार्रवायों में ‘जलडमरूमध्य में ईरानी समायोजन का उल्लंघन’, ‘ आगे और हमलों की लगातार धमकियां’, ‘तेल प्रतिबंधों को फिर से लागू करना’, ‘ दक्षिणी ईरान पर हमले’ और लेबानान में ‘ जायोंनी आक्रामकता का जारी रहना’ शामिल हैं। गालिबाफ ने आगे कहा ‘ धमकी और जबरन वसूली का युग समाप्त हो गया है। इससे कुछ हासिल नहीं होता ।’ हम झुकेंगे नहीं ।’ तेहरान की यह तीखी बयानबाजी वाली जवाबी प्रतिक्रिया, समुद्री क्षेत्र में हुई ताजा घटनाओं के बाद अमेरिका द्वारा ईरानी टिकानों के खिलाफ व्यापक सैन्य अभियान शुरू करने के साथ, शत्रुता में नाटकीय वृद्धि की सीधी प्रतिक्रिया है। भारी बमबारी के परिणामस्वरूप संबंधी विवरण प्रदान करते हुए, अमेरिकी केंद्रीय कमान ने पुष्टि की कि उसने 7 जुलाई को जवाबी हमलों की एक श्रृंखला को अंजाम दिया, जिसमें ईरान के अंदर 80 से अधिक सैन्य टिकानों पर सटीक निर्देशित गोला-बारुद से हमला किया गया। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, इन लक्षित अभियानों का मुख्य उद्देश्य तेहरान की समुद्री आक्रमण क्षमताओं को नष्ट करना था।।कई घंटों तक चले इस अभियान के दौरान जिन लक्ष्यों को नष्ट किया गया उनमें कमान और नियंत्रण नेटवर्क, वायु रक्षा तंत्र, तटीय रडार प्रतिष्ठान, जहाज-रोधी मिसाइल स्थल और इस्लामिक रिपब्लिकनरी गार्ड कोर की 60 से अधिक छोटी नौकाएं शामिल थीं।।

*शिक्षा में भारतीयता और मातृभाषा से ही आत्मनिर्भर भारत का निर्माण संभव: डॉ.वचनाराम काबावत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल (मुकेश सोलंकी) । शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के तत्वावधान में निकटवर्ती रामसीन गांव में आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय में ‘भारतीय शिक्षा दिवस’ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य भरत कुमार ण्णवण में की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय भाषा मंत्र, राजस्थान क्षेत्र के संयोजक डॉ.वचनाराम काबावत उपस्थित रहे।

देश का नाम ‘इंडिया’ नहीं, केवल ‘भारत’ होे

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता डॉ. वचनाराम काबावत ने ‘एक देश- एक नाम’ के संकल्पना पर विचार जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश का नाम इंडिया नहीं, बल्कि केवल ‘भारत’ होना चाहिए। भारत महज एक भौगोलिक सीमा या राजनीतिक व्यवस्था नहीं, बल्कि एक प्राचीन सभ्यता, जीवंत संस्कृति और

अमेरिका ने सीजफायर के बीच ईरान पर एयरस्ट्राइक की

80 से ज्यादा टिकानों को निशाना बनाया ; ईरान ने बहरीन और कुवैत में जवाबी हमले किए

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका ने सीजफायर के बीच बुधवार तड़के ईरान पर एयरस्ट्राइक की है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, 80 से ज्यादा सैन्य टिकानों को सटीक हथियारों से निशाना बनाया गया। अमेरिका का कहना है कि यह कार्रवाई होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे तीन जहाजों पर हुए हमलों के जवाब में की गई। वाशिंगटन ने इन हमलों के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया है

एयरस्ट्राइक में एयर डिफेंस सिस्टम, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, तटीय रडार, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, एंटी-शिप मिसाइल सिस्टम, ड्रोन लॉन्च साइट्स और टून्नष्ट की 60 से ज्यादा मिलिट्री बोट्स को निशाना बनाया गया। ईरानी मीडिया के मुताबिक, सीरक, केशम द्वीप और बंदर अब्बास में कई धमाके हुए और कुछ जगहों पर आग लग गई। इसके जवाब में ईरानी सेना ने बहरीन और कुवैत में अमेरिका सैन्य टिकानों पर 85 से ज्यादा टारगेट्स हिट करने का दावा किया है।

कतर ने होर्मुज में ईरानी हमलों की निंदा की: कतर ने होर्मुज में उसके जहाज पर हमले की निंदा करते हुए ईरान को कानूनी रूप से पूरी तरह जिम्मेदार ठहराया। साथ ही कहा कि ईरानी हमले अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा के लिए खतरा हैं।

ईरान बोला- धमकियों के बीच अमेरिका से बातचीत नहीं: ईरान के

फ्रांसीसी अदालत से मरीन ले पेन को राहत, जानें कोर्ट ने क्या रखी शर्त; राष्ट्रपति चुनाव लड़ने पर संशय

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की दक्षिणपंथी नेता मरीन ले पेन को 2027 के राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की दिशा में बड़ी राहत मिली है। हालांकि, अपील अदालत ने साफ किया है कि उन्हें अपनी सजा के तहत घर पर रहते हुए इलेक्ट्रॉनिक निगरानी ब्रेसलेट पहनना होगा। जबकि ले पेन पहले ही कह चुकी हैं कि इस शर्त के साथ चुनाव प्रचार करना उनके लिए स्वीकार्य नहीं होगा। पेरिस की अपील अदालत ने मंगलवार को ले पेन को यूरोपीय संसद के धन के गबन (गबन/दुरुपयोग) के मामले में दोषी माना, लेकिन उनकी सजा में कुछ राहत दी। अदालत ने सार्वजनिक पद संभालने पर लगी रोक को पांच साल से घटाकर 45 महीने कर दिया। इनमें से दो-तिहाई अवधि निर्बंधित रहेगी। इसके अलावा, उनकी जेल की सजा भी चार साल से घटाकर तीन साल कर दी गई। इनमें से दो साल की सजा निर्बंधित रहेगी, जबकि एक साल की सजा उर्द्धे घर पर इलेक्ट्रॉनिक निगरानी ब्रेसलेट पहनकर पूरी करनी होगी। यह मामला 2004 से 2016 के बीच का है। आरोप है कि ले पेन और उनकी पार्टी नेशनल रैली के अन्य नेताओं ने यूरोपीय संसद के उन फंड

होर्मुज स्ट्रेट में तीन टैंकरों पर हमले, सऊदी और कतर के जहाजों को नुकसान

लंदन, एजेंसी। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने मंगलवार को बताया कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले तेल टैंकरों पर तीन अलग-अलग हमले हुए हैं। इन तीनों घटनाओं में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। पहली घटना की जानकारी यूकेएमटीओ को सोमवार रात 2119 यूटीसी पर मिली। इसमें बताया गया कि ओमान के लिमाइ से करीब आठ समुद्री मील पूर्व में दक्षिण की ओर जा रहे एक टैंकर के बाईं तरफ एक अज्ञात वस्तु टकराई, जिससे उसमें आग लग गई। दूसरी घटना की जानकारी मंगलवार को वही है। इसमें एक टैंकर को किसी अज्ञात वस्तु से नुकसान पहुंचने की बात कही गई और माना जा रहा है कि उसके ढांचे को नुकसान हुआ है। तीसरी और सबसे नई घटना की जानकारी यूकेएमटीओ को मंगलवार को 1305 यूटीसी पर मिली। इसमें बताया गया कि एक और टैंकर को ड्रोन से हमला किया



विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि धमकियों के माहौल में कोई समझौता नहीं होगा। पहले अमेरिका को अपने पुराने समझौतों का सम्मान करना होगा।

कोम में खामेनेई के जनाजे में लाखों की भीड़ उमड़ी : तेहरान में अंतिम यात्रा के बाद लगातार दूसरे दिन कोम में भी खामेनेई के जनाजे में लाखों की भीड़ उमड़ी। कई लोगों ने ताबूत पर लाल कपड़ा भी चढ़ाया, जो बदले का प्रतीक है।

खामेनेई का पार्श्व शरीर इराक के नजफ पहुंचा: ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई का पार्श्व शरीर मंगलवार रात इराक के नजफ शहर पहुंचा। ईरान में कई दिनों तक चली अंतिम यात्रा और धार्मिक रस्मों के बाद ताबूत को विशेष विमान से नजफ लाया गया।

लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ को अमेरिका-कनाडा ने निज्जर हत्याकांड का आरोपी बनाया



का गलत इस्तेमाल किया, जो संसदीय सहायकों के वेतन के लिए दिए गए थे। अदालत ने सार्वजनिक पद संभालने पर लगी रोक को पांच साल से घटाकर 45 महीने कर दिया। इनमें से दो-तिहाई अवधि निर्बंधित रहेगी। इसके अलावा, उनकी जेल की सजा भी चार साल से घटाकर तीन साल कर दी गई। इनमें से दो साल की सजा निर्बंधित रहेगी, जबकि एक साल की सजा उर्द्धे घर पर इलेक्ट्रॉनिक निगरानी ब्रेसलेट पहनकर पूरी करनी होगी। यह मामला 2004 से 2016 के बीच का है। आरोप है कि ले पेन और उनकी पार्टी नेशनल रैली के अन्य नेताओं ने यूरोपीय संसद के उन फंड



गया, जिससे उसे हल्का ढांचागत नुकसान हुआ। यह जहाज अभी भी अपने अगले बंदरगाह की ओर जा रहा था। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों के अनुसार, तीन में से दो जहाजों की पहचान हो चुकी है। इनमें से एक सऊदी अरब के झंडे वाला कच्चे तेल का टैंकर है, जबकि दूसरा कतर का तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) टैंकर है। इससे पहले मंगलवार को ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर्पस (आईआरजीसी) की नौसेना ने दो ऐसे टैंकरों को निशाना बनाया था, जो

अमेरिका समर्थित ओमानी रास्ते से होर्मुज स्ट्रेट पार करने की कोशिश कर रहे थे। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी फार्स ने बताया कि इन जहाजों ने चेतावनी नहीं मानी थी। फार्स न्यूज एजेंसी ने स्वतंत्र सैन्य पर्यवेक्षक मेन्वोसिंट के ‘एक्स’ अकाउंट पर साझा की गई सैटेलाइट तस्वीरों का हवाला देते हुए कहा कि समुद्री यातायात की जानकारी से पता चला कि मंगलवार को ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर्पस (आईआरजीसी) की नौसेना ने दो ऐसे टैंकरों को निशाना बनाया था, जो



आरोप था. अमेरिकी फस्ट असिस्टेंट अटॉर्नी बिल एसेली ने लॉस एंजिल्स में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ‘एक साथ काम करते हुए अमेरिका, कनाडा, यूरोप और एशिया में लॉ एनफोर्समेंट इन क्रिमिनल ऑर्गनाइजेशन को टारगेट करने और खत्म करने के लिए पक्का इरादा कर चुकी है, चाहे वे कहीं भी काम करते हों. इन गुंडों के लिए कोई सेफ जगह नहीं है.’ निज्जर की हत्या से भारत और कनाडा के बीच आपसी रिश्ते खराब हो गए थे, क्योंकि उस समय के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने नई

की ओर से बताए गए रास्ते का इस्तेमाल किया। मंगलवार को मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि कतर का एक एलएनजी टैंकर और सऊदी अरब का एक कच्चे तेल का टैंकर होर्मुज स्ट्रेट के पास आईआरजीसी की ओर से किए गए कथित मिसाइल हमलों में क्षतिग्रस्त हुए। कतर के जहाज की पहचान अल रेक्यात के रूप में की गई है। रिपोर्टों के अनुसार, हमला होने के बाद इस जहाज ने मदद के लिए आपातकालीन संकेत भेजे। कतर ने मंगलवार को अल-रेक्यात पर हुए हमले की निंदा की। कतर ने इसे अंतरराष्ट्रीय सैन्य पर्यवेक्षक मेन्वोसिंट के ‘एक्स’ अकाउंट पर साझा की गई सैटेलाइट तस्वीरों का हवाला देते हुए कहा कि समुद्री यातायात की जानकारी से पता चला कि मंगलवार को ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर्पस (आईआरजीसी) की नौसेना ने दो ऐसे टैंकरों को निशाना बनाया था, जो

जनसमुदाय से नई शिक्षा नीति में निहित भारतीय मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का भी आह्वान किया। अध्यक्षीय उद्घोषन में विद्यालय के प्राचार्य भरत कुमार वैष्णव ने कहा कि भारतीय शिक्षा का उद्देश्य केवल आजीविका या रोजगार प्राप्त करना नहीं है। इसका वास्तविक ध्येय ऐसे संवेदनशील, आत्मनिर्भर और राष्ट्रनिष्ठ नागरिकों को गढ़ना है
जो अपने ज्ञान का उपयोग समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए निःस्वार्थ भाव से कर सकें। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, अपनी मातृभाषा के गौरव को अक्षुण्ण रखने और राष्ट्रीय मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में पूरी निष्ठा के साथ अपनाने का संकल्प दिलाया गया। इस दौरान विद्यालय का समस्त स्टाफ और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

बलूचिस्तान में मांगी डैम सुरक्षा चौकी पर आतंकी हमला : 9 पुलिसकर्मियों की मौत

क्वेटा/इस्लामाबाद, एजेंसी।

पाकिस्तान के अशांत दक्षिण-पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान से एक बार फिर बड़े आतंकी हमले की खबर सामने आई है। जियारत जिले में निर्माणाधीन ‘मांगी डैम’ की सुरक्षा में तैनात पुलिस बल पर अज्ञात बंदूकधारियों ने घात लगाकर आत्मघाती हमला किया। इस बर्बर हमले में दो वरिष्ठ अधिकारियों सहित कम से कम 9 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि कई जवानों के लापता होने की खबर है। जियारत के डिप्टी कमिश्नर अब्दुल कुदुस अचकजई ने बीबीसी उर्दू को बताया कि हमलावर आधुनिक हथियारों से लैस थे और उन्होंने अचानक सुरक्षा चौकी को निशाना बनाते हुए अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

क्यों अहम है यह बांध: प्रभावित पुलिसकर्मी अरबों रुपये की लागत से बन रहे मांगी डैम के निर्माण स्थल की सुरक्षा के लिए तैनात थे। यह बांध बलूचिस्तान की प्रांतीय राजधानी क्वेटा में पीने के पानी के गंभीर संकट को दूर करने के उद्देश्य से बनाया जा रहा है।

लापता जवानों के लिए सच ऑपरेशन: हमले के बाद से लापता पुलिसकर्मियों की सुरक्षित वापसी के लिए इलाके में बड़े पैमाने पर सच ऑपरेशन चलाया जा रहा है। घटना के विरोध में स्थानीय लोगों और परजनों ने राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर उा प्रदर्शन भी किया।

हालांकि, अभी तक किसी भी बड़े उग्रवादी संगठन ने इस हमले की आधिकारिक जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने

इलाके में तुरंत मोर्चा संभाल लिया है। बलूचिस्तान प्रशासन के दावों के मुताबिक, हमले के तुरंत बाद जियारत और आसपास के पहाड़ी इलाकों में एक बड़ा ‘क्लियरेंस ऑपरेशन’ चलाया गया। इस जवाबी कार्रवाई के दौरान सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन तहरिक-ए-तालिबान पाकिस्तान के 15 उग्रवादियों को मार गिराने का दावा किया है। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने इस कायरतापूर्ण हमले को कड़ी निंदा करते हुए जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों को देश का गौरव बताया। अफगानिस्तान और ईरान की सीमाओं से सटा बलूचिस्तान प्रांत पिछले लंबे समय से हिंसक उग्रवाद की आग में झुलस रहा है।

स्थानीय बनाम सीमा पार का संकट: यहाँ बलूचिस्तान लिबेरेशन आर्मी) जैसे स्थानीय अलगाववादी गुट प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण और अधिक स्वायत्तता की मांग को लेकर पाकिस्तानी सेना को निशाना बनाते रहे हैं। हाल ही में मई महीने में भी बीएलए ने एक सैन्य ट्रेन पर हमला किया था जिसमें 20 जवानों की मौत हुई थी।

ड्रोन और सीमा विवाद: इसके साथ ही इस क्षेत्र में सीमा पार (अफगान बॉर्डर) से होने वाले हवाई और जमीनी हमले भी बढ़े हैं। पिछले हफ्ते ही पाकिस्तान सेना ने सीमा पार चार सिंधघ ड्रोन मार गिराने का दावा किया था, जिसके बाद से दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव चरम पर है।

लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ को अमेरिका-कनाडा ने निज्जर हत्याकांड का आरोपी बनाया

दिल्ली सरकार को इस हत्या से जोड़ने की कोशिश की थी. भारत ने इन दावों को ‘बेतुका और जानबूझकर किया गया’ बताकर खारिज कर दिया था. मौजूदा कार्रवाई भारतीय क्राइम सिंडिकेट की सालों से चल रही फंडरल जांच का नतीजा है, जो रैकेटियरिंग, टारगेटेड किलिंग, शूटिंग, जबरन वसूली, इंटरनेशनल बॉर्डर के पार भारी मात्रा में नशीले पदार्थों की तस्करी और दुनिया भर में दूसरे ऐसे अपराधों में शामिल हैं, जिनका असर खासकर भारतीय प्रवासियों पर महसूस किया जाता है. कुल मिलाकर, 37 आरोपियों पर जिनमें दो ऐसे आरोपी भी शामिल हैं जो भारत में जेल में रहते हुए अपने ग्लोबल क्रिमिनल सिंडिकेट चलाते थे मंगलवार को खोले गए तीन चार्जशीट में आरोप लगाए गए. अमेरिका में गिरफ्तार किए गए लोग कैलिफोर्निया में 11 के अलावा,

एक को इंडियाना में और एक को जॉर्जिया में पकड़ा गया - आज फंडरल कोर्ट में अपनी पहली पेशी पर आ सकते हैं. कनाडा में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, एक को स्पेन में गिरफ्तार किया गया, और सात आरोपी पहले से ही कस्टडी में थे. एजेंसियां ??10 भगोड़ों की तलाश कर रही हैं. सात अमेरिका में दो भारत में और एक यूरोप में. बिश्नोई पहले से ही भारत की जेल में हैं, जबकि उसका साथी गोल्डी बरार अभी भी फरार है. एफबीआई के लॉस एंजिल्स फील्ड ऑफिस के असिस्टेंट डायरेक्टर इन चार्ज पैट्रिक ग्रैंडी ने कहा, ‘आज (मंगलवार) का कोआर्डिनेटेड ऑपरेशन तीन क्रूर ट्रॉसनेशनल संगठनों के केंद्र पर हमला करता है, जिन्होंने अमेरिका और विदेशों में हिंसा के क्रूर कामों के जरिए परिवारों को आतंकिृत किया है, समुदायों का शोषण किया है।

पाकिस्तान के शाहजाह से कराची जा रहा कार्गो विमान लापता, क्या समुद्र में गिरा बोइंग 737?

शारजाह , एजेंसी। पाकिस्तान में मंगलवार रात को शारजाह से, कराची जा रहे बोइंग 737 मालवाहक विमान का हवाई यातायात नियंत्रण से संपर्क टूट गया। विमान के पायलट ने पहले नेविगेशन सिस्टम में खराबी की जानकारी दी थी। इसके बाद पाकिस्तानी अधिकारियों ने तुरंत खोज और बचाव अभियान शुरू कर दिया। विमान में पांच चालक दल के सदस्य सवार थे।

पाकिस्तान एयरपोर्ट अथॉरिटी ने क्या बताया : पाकिस्तान एयरपोर्ट अथॉरिटी ने बताया कि के2 एयरवेज द्वारा संचालित 27 साल पुराने परिवर्तित मालवाहक विमान ने कराची की ओर उड़ान भरते समय पाकिस्तानी मानक समय के अनुसार रात 9:18 बजे नेविगेशन सिस्टम में खराबी की सूचना दी।

रडार सिस्टम में क्या दिखा : अधिकारियों के अनुसार, समस्या की सूचना मिलने के बाद स्थानीय हवाई यातायात नियंत्रकों ने विमान को निर्देशित करने का प्रयास किया। हालांकि, रडार सिस्टम ने लगभग तीन मिनट बाद विमान को तेजी से नीचे उतरते हुए दिखाया और विमान से संपर्क टूट गया। अधिकारियों ने बताया कि उस समय विमान कराची से लगभग 155 समुद्री मील (287 किमी) पश्चिम में था। **फ्लाइटरेडार24 ने क्या बताया :** पाकिस्तान एयरपोर्ट अथॉरिटी ने कहा है कि लापता विमान का पता लगाने के लिए उसने अलग-अलग एजेंसियों के माध्यम से समुद्र में एक समन्वित खोज और बचाव अभियान शुरू